संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 332 मंगलवार 07 अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

क्या मरे हुए लोगों ने मोदी को वोट दिया था...

बिहार चुनाव की तारीख सामने आते ही भड़के कांग्रेस नेता

नई दिल्ली,06 अक्टूबर 2025 (ए)। बिहार में विधानसभा चुनाव का एलान हो गया है। नामांकन,मतदान से लेकर मतगणना तक की तारीख सामने आ गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मुताबिक बिहार में दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा। जबकि,14 नवंबर को मतगणना यानी काउंटिंग होगी। इस बीच अब इस चुनाव को लेकर सियासत भी तेज हो गई है। कांग्रेस पार्टी की तरफ से प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने एक बार फिर से इलेक्शन कमीशन को घेरा है।

क्या कहा पवन खेड़ा ने... ?

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि चुनाव आयोग ने कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण सवालों के जवाब नहीं दिए हैं। उन्होंने ऐसा माहौल बनाया जैसे बिहार में बांग्लादेश और नेपाल के लोग घुसपैठ कर रहे हैं। लेकिन जब वे नाम हटाते हैं, तो उन्हें किसी भीतथाकथित घुसपैठिए का नाम नहीं मिलता। आपने घुसपैठ के इर्द-गिर्द राजनीतिक आख्यान क्यों बनाया? घुसपैठिए कहां हैं? अब वे कह रहे हैं कि उन्होंने मृत लोगों को हटा दिया है। क्या इन मृत लोगों ने 2024 के लोकसभा चुनावों में मोदी को वोट दिया था? चुनाव आयोग की विश्वसनीयता हर दिन एक काले बादल के नीचे आ रही है।

कांग्रेस नेता उदित राज ने दी प्रतिक्रिया

कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि मतदाता सूची में अभी भी कई विसंगतियां हैं,जो रोज़ाना उजागर हो रही हैं। इन्हें कैसे ठीक किया जाएगा,यह देखना बाकी है। मतगणना के दिनों में होने वाली अनियमितताओं का मुद्दा कैसे हल होगा?

प्रशांत किशोर ने दी प्रतिक्रिया

बिहार चुनाव की तारीखों पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि लालू-प्रशांत किशोर के लिए वोट नहीं दिया जाएगा। वोट लोग अपने बच्चों के लिए, उनकी शिक्षा और रोजगार के लिए, बिहार में बदलाव के लिए करेंगे। यह उस शुरुआत के लिए होगा जिसका हम सपना देखते हैं...कि आने वाले 10 सालों में बिहार देश के 10 अग्रणी राज्यों में शामिल होगा।

कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने दी प्रतिक्रिया

बिहार चुनाव की तारीख पर कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि मेरा अनुमान है कि कांग्रेस-राजद सरकार वहां सत्ता में आएगी। बदलाव आएगा। नीतीश कुमार सरकार सत्ता से बेदखल होगी और लोग बदलाव लाएंगे। बिहार बदलाव के मूड में है। वे तंग आ चुके हैं और थक चुके हैं।

बिहार में दो चरणों में होगा विधानसभा चुनाव

6 और 11 नवंबर को वोटिंग, 14 को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली,06 अक्टूबर 2025 (ए)। बिहार में दो चरणों में चुनाव होंगे. पहले फेज का मतदान 6 नवंबर को होगा और दूसरे फेज में 11 नवंबर को वोटिंग होगी. 14 नवंबर को नतीजे आएंगे

ऐप होगा लॉन्च

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव से निर्वाचन आयोग का नया ईसीआई नेट सिंगल विंडो ऐप लॉन्च किया जाएगा. इसे मदर ऑफ ऑल इलेक्शन ऐप्स बताया जा रहा है. यह ऐप बिहार चुनाव से पूरी तरह संचालित और सक्रिय रहेगा, जिसके जरिए निर्वाचन से जुड़ी सभी प्रमुख प्रक्रियाओं की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा सकेगी.

एसआईआर पर बोले सीईसी ज्ञानेश कुमार

सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कहा- सच यही है कि लोगों ने सोशल मीडिया पर एसआईआर को बहुत कुछ कहा. लेकिन सच ये है कि पॉलिटिकल पार्टीज ने स्ढ्ढक्रकी मांग की थी.

7 राज्यों की 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान

» 11 नवंबर को वोटिंग, 14 नवंबर को नतीजे

» इनमें राजस्थान की अंता और पंजाब की तरनतारन

नई दिल्ली,06 अक्टूबर 2025(ए)। चुनाव आयोग ने सोमवार को 7 राज्यों की 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान कर दिया है। इन सीटों पर 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे, 14 नवंबर को नतीजे आएंगे। जम्मू-कश्मीर में बडगाम और नागरोटा,राजस्थान में अंता, झारखंड में घाटसिला ,तेलंगाना की जुबली हिल्स,पंजाब की तरनतारन, मिजोरम की डम्पा और ओडिशा की नुआपाडा विधानसभा सीट पर चुनाव होना हैं। जम्मू और कश्मीर में 2 विधानसभा सीटें बडगाम और नगरोटा अक्टूबर 2024 से खाली हैं। 2024 के विधानसभा चुनावों के तुरंत बाद बडगाम सीट खाली हो गई थी, जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गंदेरबल सीट को अपने पास रखने का फैसला किया था। यह सीट 21 अक्टूबर, 2024 से खाली है।

पंजाब में आप ने दलबदलू को मौका दिया

पंजाब की तरनतारन विधानसभा सीट आप विधायक कश्मीर सिंह सोहल के निधन के बाद खाली हुई थी। पंजाब में तरनतारन उपचुनाव के लिए 4 प्रमुख पार्टियों कांग्रेस, आप अकाली दल और भाजपा ने अपने उम्मीदवार मैदान में उतार दिए हैं। इनमें आप ने दलबदलू को मौका दिया है। सीएम भगवंत मान ने बीते शुक्रवार को हरमीत संधू को उम्मीदवार घोषित किया। वह अकाली दल छोड़करआप में शामिल हुए। कांग्रेस ने यहां से करणबीर सिंह बुर्ज को उम्मीदवार बनाया है। बुर्ज कांग्रेस किसान सेल के वाइस प्रेसिडेंट रह चुके हैं और जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता हैं।

भाजपा ने पूर्व अकाली व यूथ अकाली नेता रहे हरजीत सिंह संधू को कैंडिडेट बनाया है। शिरोमणि अकाली दल ने प्रिंसिपल सुखविंदर कौर रंधावा को तरनतारन उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया है। उनकी पहचान आजाद ग्रुप की प्रमुख नेता के रूप में है।

झारखंड में भाजपा चंपाई के बेटे को मौका दे सकती है

झारखंड की घाटसिला सीट विधायक और पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन से खाली हुई है। घाटशिला विधानसभा सीट पूर्वी सिंहभूम जिले में आती है और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित है। यहां कुल 2,49,212 मतदाता हैं, जिनमें 1,22,564 पुरुष, 1,26,649 महिला और 2 थर्ड जेंडर शामिल हैं। हालांकि अभी मतदाताओं की फाइनल लिस्ट आना बाकी है।

घाटशिला उपचुनाव की बात करें तो अभी तक किसी दल ने अपने प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। झामुमो के प्रत्याशी के रूप में पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश सोरेन का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है।अब नजरें भाजपा पर टिक गई हैं। क्या इस बार भाजपा फिर से सहानुभूति की लहर पर लड़े जाने वाले घाटशिला` उपचुनाव में पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेने को पुनः मैदान में उतारेगी या फिर किसी और को मौका देगें।

राजस्थान में सजा के बाद गई मीणा की विधायकी

राजस्थान में बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना है। यहां कंवरलाल मीणा की विधायकी जाने के बाद ये सीट खाली हुई थी।

भारी बारिश और बाढ़ से मरने वालों के परिवार को पांच-पांच लाख का मुआवजा देगी ममता सरकार

ममता बनर्जी ने बाढ़ पीडितों के लिए किया मुआवजे का ऐलान

मृतकों के परिवार के एक सदस्य को मिलेगी स्पेशल होम गार्ड की नौकरी

कोलकाता,06अक्टूबर 2025(ए)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर बंगाल में भारी बारिश की चपेट में आकर मरने वालों के स्वजनों के लिए पांच-पांच लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। मृतकों के परिवार के एक सदस्य को स्पेशल होम गार्ड की नौकरी भी दी जाएगी।हालात का जायजा लेने सोमवार को उत्तर बंगाल रवाना होने से पहले कोलकाता एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में ममता ने बंगाल में बाढ़ के लिए फिर केंद्र को दोषी ठहराते हुए कहा कि अगर कोलकाता,हल्दिया व फरक्का बंदरगाहों की ठीक तरह से ड्रेजिंग कराई गई होती और दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के मैथन व पंचेत बांधों की पानी को रोकने की क्षमता बढ़ाई गई होती तो ऐसी विकट स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

सरकार की आलोचना करने पर पत्रकारों पर एफआईआर दर्ज नहीं किया जा सकता:सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,06 अक्टूबर 2025(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने पत्रकारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि केवल सरकार या मुख्यमंत्री की आलोचना करने को अपराध नहीं कहा जा सकता और इस आधार पर किसी पत्रकार के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया जा सकता। यह आदेश दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक उपाध्याय के मामले में दिया गया, जिन पर सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने वाली एक ऑनलाइन रिपोर्ट के कारण एफआईआर दर्ज की गई थी। अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए कहा कि लोकतंत्र में आलोचना को अपराध नहीं माना जा सकता।न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और एस.वी.एन. भट्टी की पीठ ने कहा कि राज्य या पुलिस को पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई से पहले यह देखना होगा कि आरोपों का कोई कानूनी आधार है या नहीं। कोर्ट ने साफ कहा, लोकतांत्रिक व्यवस्था में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को अपराध नहीं कहा जा सकता।

भाजपा सांसद और विधायक पर हमला

» खून से लथपथ तस्वीर आई सामने

» बाढ़ पीड़ितों से मिलने पहुंचे थे दोनों नेता

नागराकाटा,06 अक्टूबर 2025(ए)। बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित उत्तर बंगाल के नागराकाटा इलाके में उस समय तनाव की स्थिति बन गई, जब बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए पहुंचे भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और सिलीगुड़ी के विधायक शंकर घोष पर स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया। हमले में दोनों नेता गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और फिलहाल उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

जानकारी के मुताबिक जब भाजपा नेता बाढ़ राहत सामग्री और हालात का जायजा लेने पहुंचे,उसी दौरान नाराज भीड़ ने उनकी गाड़ी को घेर लिया और पथराव शुरू कर दिया। पथराव के दौरान सांसद खगेन मुर्मू के सिर में गंभीर चोट आई,वहीं विधायक शंकर घोष के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। पथराव में उनकी गाड़ियां भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

एसएमएस अस्पताल में लगी भीषण आग

ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

» 8 मरीजों की मौत,

» सीएम ने दिए जांच के दिए आदेश

जयपुर,06 अक्टूबर 2025(ए)। राजधानी में हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे राजस्थान को झकझोर दिया। सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू वार्ड में अचानक आग लग गई, जिससे 8 मरीजों की मौत हो गई। हादसे के समय आईसीयू में 11 मरीज भर्ती थे। धुआं और आग फैलते ही वार्ड में अफरा-तफरी मच गई। मरीजों और परिजनों ने खुद ही बेड और गद्दे खींचकर जान बचाने की कोशिश की, लेकिन कई लोगों को बाहर निकालना संभव नहीं हो पाया

प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को हादसे का कारण बताया जा रहा है। आग रात 11 बजकर 10 मिनट पर ट्रॉमा सेंटर की दूसरी मंजिल पर बने आईसीयू में लगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना पर दुख जताते हुए स्वतंत्र जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। यह समिति आग लगने के कारणों और लापरवाही की पूरी जांच कर रिपोर्ट सौंपेगी।

परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

मृतकों के परिजनों ने आरोप लगाया है कि आग लगने के बाद डॉक्टर और कंपाउंडर वहां से भाग गए, जिससे कई मरीजों को समय पर नहीं निकाला जा सका। एक पीड़ित परिजन ओमप्रकाश ने बताया कि उन्होंने धुआं फैलते ही स्टाफ को चेताया, लेकिन मदद करने वाला कोई नहीं था। उनके चचेरे भाई की भी इस हादसे में मौत हो गई, जिसे कुछ दिनों में छुट्टी मिलनी थी।

अस्पताल प्रशासन का बयान

एसएमएस ट्रॉमा सेंटर के प्रभारी डॉ. अनुराग धाकड़ ने बताया कि ट्रॉमा सेंटर की दूसरी मंजिल पर दो आईसीयू एक ट्रॉमा आईसीयू और एक सेमी आईसीयू है। आग लगने के बाद हमारी टीम ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और जितने मरीजों को संभव था,उन्हें बाहर निकाला गया। हालांकि,जहरीली गैस और धुएं के कारण कई गंभीर मरीजों को बचाया नहीं जा सका।

सीजेआई बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश

» सुनवाई के दौरान की घटना

» पुलिस के हिरासत में आरोपी

नई दिल्ली,06 अक्टूबर 2025(ए)। सुप्रीम कोर्ट से बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि आज सुबह (सोमवार) को सुनवाई के दौरान वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर जूता फेंकने का प्रयास किया। हालांकि समय रहते सुरक्षा कर्मियों ने उसे रोक लिया है।

घटना के बाद वकील को सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत अदालत कक्ष से बाहर निकाल दिया। इस दौरान वह चिल्लाया कि 'सनातन का अपमान नहीं सहेंगे।' सीजेआई गवई ने पूरी घटना के दौरान शांति बनाए रखी और कहा, हम इससे विचलित नहीं होते,आप लोग अपनी दलीलें जारी रखें। इस घटना के कारण कार्यवाही कुछ मिनटों के लिए बाधित रही, जिसके बाद सत्र फिर से शुरू हुआ।

सुप्रीम कोर्ट ने सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर केंद्र और लद्दाख से मांगा जवाब

नई दिल्ली,06 अक्टूबर 2025(ए)। लेह हिंसा के बाद सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। अदालत ने केंद्र सरकार और लद्दाख प्रशासन को नोटिस जारी करते हुए 14 अक्टूबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने आरोप लगाया कि सोनम की गिरफ्तारी के कारण स्पष्ट नहीं बताए गए और उन्हें परिवार से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि अदालत के फैसलों के अनुसार किसी भी व्यक्ति की हिरासत के कारण परिवार को बताना जरूरी है, जो इस मामले में नहीं किया गया।

स्पाइसजेट का दिवाली तोहफा

दिल्ली,बेंगलुरु,अहमदाबाद और हैदराबाद से अयोध्या के लिए दैनिक नॉन-स्टॉप फ्लाइट्स

अयोध्या,06 अक्टूबर 2025(ए)। स्पाइसजेट ने आज चार भारतीय शहरो से अयोध्या के लिए दैनिक नॉन-स्टॉप फ्लाइट्स की घोषणा की है। यह दैनिक नॉन-स्टॉप उड़ानें 8 अक्टूबर 2025 से शुरू होंगी और दिवाली के विशेष मौके पर अयोध्या की पवित्र नगरी को दिल्ली, बेंगलुरु, अहमदाबाद और हैदराबाद से जोड़ेगी। ये नई उड़ानें चरणों में शुरू होंगी जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अयोध्या तक सुगम यात्रा की सुविधा मिलेगी और वे दिवाली के शुभ अवसर पर श्री राम मंदिर के दर्शन का लाभ उठा सकेंगे। मुंबई से भी उड़ानें प्रारंभ करने पर विचार किया जा रहा है ताकि आगामी त्योहारों और सर्दियों के मौसम में कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाया जा सके।

ऑपरेशन सिंदूर के वीर योद्धाओं को होगा समर्पित

दिए जाएंगे वीरता पुरस्कार

नई दिल्ली,06 अक्टूबर 2025(ए)। भारतीय वायुसेना 8 अक्टूबर को अपना 93वां वायुसेना दिवस मनाएगी, जो ऑपरेशन सिंदूर के वीर योद्धाओं को समर्पित होगा। वीरता की इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, वायुसेना अपने योद्धाओं को उनके अद्वितीय साहस और शौर्य के लिए कुल 97 वीरता पुरस्कारों से सम्मानित करेगी।

संपादकीय

दहेज का दानव

बेटियों की साक्षरता में वृद्धि और कामकाजी क्षेत्र में लगातार उनकी बढ़ती भूमिका के बावजूद यदि दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि होती है, तो यह शर्मनाक स्थिति ही कही जाएगी। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है,तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खर्चीली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां-बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। हालांकि, पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद व अन्य कारकों को दहेज का मामला बनाने के कुछ मामले अदालतों की चिंता का भी विषय रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य है। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिये हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी।

निःस्संदेह,हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है। जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिये सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है। विडंबना यह है कि दहेज उत्पीड़न के ज्यादातर मामले बड़े हिंदी प्रदेशों में सामने आए हैं। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में और फिर बिहार दूसरे नंबर पर है। ये हजारों मामले समाज में स्त्रियों की विडंबनापूर्ण स्थिति को ही दर्शाते हैं। समाज में उपभोक्तावादी सोच के चलते भी दहेज की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। हमें विचार करना होगा कि समाज में दहेज के संकट की जड़ों पर कैसे प्रहार किया जाए। राष्ट्र का विकास तब तक एकांगी ही रहेगा, जब तक आधी दुनिया को समाज में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता। दहेज के मामलों में न्याय भी शीघ्र देने की आवश्यकता है। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवनयापन कर सकें।

धारणा

प्रिया देवांगन
गरियाबंद, छत्तीसगढ़

आज बहुत देर हो गई विशाल,मुझे जल्दी जाना था। उनके घर कल बहुत सारे मेहमान आए थे,घर तो चिड़िया का घोसला बना होगा,काम तो पूछो ही ना.....!

जाते ही बुढ़िया की डाँट सुनो सो अलग,ये मालकिन लोग कहाँ किसी की बातें समझते हैं?

रीना अपने पति विशाल से बातें करते-करते काम पर जाने की तैयारी कर रही थी।

रीना प्लीज़..... आज मत जाओ न। विशाल बोला।

रीना..... क्या आज भी तुम झूठे बर्तन साफ करोगी?

हाँ..... रीना दो टूक बोल शांत हो गई और स्लीपर पहन घर से निकल गई।

पूरे रास्ते रीना को बस एक ही सवाल दीमक की तरह खाए जा रहा था,आज तो मेरी खैर नहीं। हे प्रभु! कृपया आज डाँट खाने से बचा लीजिएगा। बड़बड़ाती हुई रीना बुढ़िया के घर पहुँची।

ट्रिन...... ट्रिन..... बेल बजते ही बुढ़िया दरवाजा खोली और ऊपर से नीचे रीना को घूरने लगी। रीना सर नीचे झुका कर बोली सॉरी आंटी आज.... थोड़ी.....!

हम्म.... अंदर आओ। कुछ बोलने से पहले ही बुढ़िया ने रीना को शांत करा दिया।

रीना को थोड़ा आश्चर्य हुआ कि आज बुढ़िया शांत क्यों है! अब सुनने को तैयार हो जा रीना....रीना खुद से बातें करने लगी। ये खड़ूस बुढ़िया से कोई नहीं बचा पाएगा।

रीना खुसफुसाती हुई रसोई में गई और देखते ही भौंचक रह गई।

अरे.....ये क्या चमत्कार हो गया?

आंटी जी! रसोई का सारा झूठा बर्तन कहाँ हैं और आज घर भी बहुत साफ- सुथरा लग रहा है; कल मेहमान नहीं आए थे क्या?

आए थे चले गए। बुढ़िया बोली।

चले गए मतलब....?

तुम्हें क्या लगा रीना आज मैं तुमसे हमारे झूठे बर्तन साफ करवाऊँगी? नहीं.....नहीं.......मुझे अच्छे से पता है कि आज तुम्हारा पहला करवा चौथ का व्रत है इसलिए मैं और मेरी देवरानी मिल कर सारा काम खत्म कर दिए ताकि तुम्हारे निर्जला व्रत में कोई कष्ट ना हो।

लेकिन आंटी जी....रीना धीमे स्वर में बोली।

हाँ रीना,तुम भी तो अपने घर की लक्ष्मी हो न और आज तो अपने पति के लिए निर्जला व्रत भी रखा है तुमने। अगर तुम हमारे झूठे बर्तन साफ करोगी तो मुझे पाप लगेगा।

रीना को ऐसा लगा जैसे कोई साँप सूँघ गया हो। हैरानी से बुढ़िया को एक टक निहारती रही।

बातें सुन रीना की आँखों में आँसू की दो बूँदें झलकने लगीं।

तुम्हारे आते ही मैंने चेहरा पढ़ लिया था। ऐसे ही धूप में बाल सफेद नहीं किए है मैंने। रीना स्टैच्यू की तरह खड़ी रही।

तभी बुढ़िया बोली-रीना, देखो ये मेरी साड़ी और ये मेकअप किट; तुम पर बहुत अच्छी लगेगी।

पर आंटी जी इसकी क्या जरूरत.....!

नहीं री.....ये रखो मेरा आशीर्वाद समझ लो। बुढ़िया की बात नहीं मानेगी?

बुढ़िया मुस्कुराती हुई बोली।

मुझे माफ कर दीजिए आंटी जी,मैंने आपके बारे में न जाने कैसी गलत धारणा बना ली थी। रीना मायूस हो कर बोली।

अच्छा आंटी जी,मैं चलती हूँ कल समय से आ जाऊँगी।

न....न....कल तुम आराम करना, परसों मिलते हैं।

जी आंटी जी।

रीना सुनो....।

रीना झट से पीछे मुड़ी।

बेटा मैं तो तुम्हें देख नहीं पाऊँगी,ये साड़ी और मेकअप में; तो फिर....??

कोई बात नहीं आंटी जी मैं आपको व्हाट्स एप पर फोटो शेयर कर दूँगी।

फिर क्या था....... दोनों की हँसी घर में गूँजने लगी; और रीना भगवान को धन्यवाद करती हुई आगे बढ़ चली।

जीवन के ताने-बाने में रचा-बसा है कपास

कपास की जन्मभूमि भारत है,अब पाकिस्तान को भी इसमें जोड़ सकते हैं। सिंधु घाटी सभ्यता में सूती कपड़ों का उपयोग किया जाता था। खुदाई में सूती कपड़ों के टुकड़े मिले हैं, जो कपास की प्राचीनता प्रमाणित करते हैं। बलूचिस्तान में कपास के पांच हजार पुराने बीज प्राप्त हुए हैं। यह सिद्ध करता है कि तत्कालीन समाज में कपास की खेती,सूत बनाकर कपड़े बुनने की कला और तकनीक विकसित थी। आज 80 से अधिक देशों में कपास की खेती होती है। कपास का वैज्ञानिक नाम गॉसपियम है। दुनिया के 3 प्रतिशत भूमि पर कपास की खेती होती है जो 27 प्रतिशत जनसंख्या के लिए वस्त्र,तेल एवं अन्य जरूरतें पूरी करती है। चीन सर्वाधिक कपास उत्पादन करता है।

प्रमोद दीक्षित मलय

कपास जीवन की नवलता एवं दृष्टि की धवलता का प्रतीक है। कपास शुचिता, संस्कार एवं स्नेह सातत्य का अविरल स्रोत है। कपास समृद्धि-वृद्धि का द्वार है, सहकार का सेतु है। रेशे-रेशे से अवगुंफित कपास सामूहिकता का भाव बोध है,शक्ति का समुच्चय है। चुनौतियों,बाधाओं और विपरीत परिस्थितियों पर विजय का शंखनाद है कपास। कपास पारिवारिक जीवन में मधुरता एवं आत्मीयता का प्रीति रस बनाये रखने का संकेतक है, अपने नेह-बीजों का चतुर्दिक कोमल तंतुओं से ढकने वाला संरक्षक है। कपास के रेशे जीवन में लोक से रस एवं ऊर्जा ग्रहण कर स्वयं को आलोकित बनाये रखने के सन्देश वाहक हैं, यह आलोक परिवेश को ज्योतित कर लोक को पथ की पहचान कराता है। कपास देश-समाज की आर्थिकी का आधार है और भय एवं भूख से जूझने-लड़ने की ताकत भी। कपास जिजीविषा का प्रतिबिम्ब है, आगे बढ़ने की प्रेरणा है,सबल अवलम्ब है। कपास लज्जा से मुक्ति का वस्त्रावरण है, मानव एवं पशु का भोजन है,सौंदर्य का सखा है,स्वास्थ्य का प्रहरी है। निर्विवाद रूप से,कपास विविध रूपों में हमारे दैनंदिन जीवन में समाया हुआ है।? कह सकते हैं कि जीवन के ताने-बाने में रचा-बसा है कपास। कपास श्वेतात्मा है,श्वेताभ लोकसाधक है। वर्ष 1981 में मैंने कक्षा पांचवीं उत्तीर्ण कर अतर्रा कस्बे के ब्रह्म विज्ञान इंटर कालेज में प्रवेश लिया था। वहां आठवीं तक, तीन साल रहा। वहां एक बिलकुल नये किंतु रोचक विषय से परिचय हुआ, वह था कताई-बुनाई। पहले दिन ही शिक्षक ने कताई-बुनाई के महत्व, लाभ और उपयोगिता पर कुछ बातें साझा कर प्रत्येक बच्चे को तकली और पूनी (छह इंच लम्बी रुई की हवादार खोखली बाती) खरीदने को बोला था। अगले दिन हम सभी बच्चे तकली-पूनी लेकर गये और उस पीरियड में जीवन में पहली बार रुई से सूत बनाने का प्रयास किया। बायें हाथ से ताली घुमाना होता था और दायें हाथ से पूनी को पकड़ उसका एक सिर तकली के तार की नोक पर फंसाकर सूत बनाना होता था। हम तकली घुमा दाहिना हाथ ऊपर की ओर आहिस्ते-आहिस्ते खींचते तो एक धागा सा बन जाता जिसे तकली की चकती के ऊपर लपेट लिया जाता। बहुत मजेदार गतिविधि थी, कभी तकली घुमाते तो पूनी वाला हाथ ऊपर करना भूल जाते, हाथ पर ध्यान देते तो तकली लुढ़क जाती। दोनों कुछ सधते तो सूत टूट जाता या कहीं मोटा और कहीं पर बिलकुल पतला सूत निकलता। लेकिन अभ्यास से 10-15 दिन में तकली से सूत कातना लगभग सभी बच्चों ने सीख लिया था। वह कपास से सूत बनाने का पहला परिचय था। हालांकि कपास से परिचय तो स्कूल जाने के पहले ही हो गया था पर उसका दायरा बहुत सीमित था। तब हमारे गांव में लगभग हर घर में कपास के दो-चार पौधे उगाये जाते थे। दीपावली आते-आते कपास के पौधों में लगे फलों से रुई बाहर झांकने लगती थी,मानो कोई शिशु प्रकृति का सौंदर्य देखने को अपनी आंखें खोल रहा हो। फल फट जाते थे,और डालों पर लटके उनकी उजली रुई के गोलों पर चिड़ियां चोंच मारतीं जैसे मीठे मक्खन का स्वाद ले रही हों और कोई भगाता तो थोड़ी सी रुई चोंच में दबा फुर्र हो जातीं जैसे कोई बच्चा आईसक्रीम के गोले से एक टुकड़ा लेकर भाग गया हो। उन दिनों हम बच्चे कपास के फलों को तोड़कर रुई निकालते थे। रुई से लिपटे बड़े और कठोर बीज अलग रखते जाते। निकली रुई से दीपावली के दीपों हेतु अम्मा और दादी मिलकर बातियां बनातीं। तब गांवों में बाजार से रुई नहीं खरीदी जाती थी। तुलसीचौरा में संझवाती घर के कपास की रुई-बाती और गाय के घी से होती थी। तो इस तरह कपास लोकजीवन का अभिन्न अंग बना हुआ था। कपास खरीफ की एक नकदी फसल है, यह तो बहुत बाद में जान-समझ पाया।

भारत,संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राज़ील,पाकिस्तान मुख्य कपास उत्पादक देश है। भारत में कपास के कुल उत्पादन का 65 प्रतिशत हिस्सा केवल महाराष्ट्र, गुजरात और तेलंगाना का है। भारत कपास एवं सूत आधारित वस्तुओं का विश्व का दूसरा बड़ा निर्यातक है। भारत में पहली

सफल कपास मिल मुम्बई में वर्ष 1854 में स्थापित की गयी थी। कपास से निर्मित सूती वस्त्र आरामदायक,हवादार,शीतल और टिकाऊ होते हैं। पहनने में सुख की अनुभूति कराते हैं। ग्रीष्म ऋतु में तो सूती वस्त्र एवं अंगौछा बहुत उपयोगी हैं,लू एवं तेज धूप से रक्षा करते हैं। कपास उत्पादन एवं प्रसंस्करण से आज पांच महाद्वीपों में 3 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है,10 करोड़ परिवार लाभान्वित हैं। एक टन कपास उत्पादन में 5 व्यक्तियों को पूरे वर्ष का रोजगार मिलता है। कपास उत्पाद जैव अपघटनीय होने से पर्यावरण अनुकूल हैं। प्रकृति और पशु-पक्षियों के संरक्षण में भी कपास की अपनी भूमिका है। कपास से रुई के अलावा बीजों से तेल एवं खली प्राप्त होती है जिसका उपयोग भोजन बनाने, पशुओं को खिलाने और सौंदर्य उत्पादों में किया जाता है। कपास के अंतरराष्ट्रीय व्यापार,सतत् विकास एवं आर्थिकी में योगदान,नये रोजगार सृजन तथा उसके महत्व एवं बहुआयामी लाभों से आमजन को परिचित कराने तथा जागरूकता के प्रसार हेतु कॉटन-4 अफ्रीकी देशों बेनिन, बुर्किना फासो,चाड़ और माली ने विश्व व्यापार संगठन के समक्ष वर्ष 2019 में 7 अक्टूबर को विश्व कपास दिवस मनाने का प्रस्ताव कर पहला आयोजन किया। कपास उत्पादन की बहुआयामी उपयोगिता को समझ संयुक्त राष्ट्रसंघ ने वर्ष 2021 में 7 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कपास दिवस के रूप में मनाने हेतु घोषणा किया था। तब से प्रत्येक वर्ष एक विशेष थीम पर वैश्विक आयोजन कर कपास केंद्रित कार्यक्रम किये जाते हैं। कपास हमारे जीवन में सुख, शांति, शीतलता, स्थिरता एवं समृद्धि प्रदान करे, ऐसी शुभेच्छा है।

देश की जनसंख्या प्रगति का पैमाना या अवरोध की अवधारणा

संजीव ठाकुर
रायपुर, छत्तीसगढ़

भारत की जनसंख्या अब मात्र एक आँकड़ा नहीं, बल्कि एक चुनौती और अवसर दोनों का प्रतीक बन चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में भारत ने लगभग 142.86 करोड़ (1.4286 अरब) की आबादी के साथ चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बनने का गौरव प्राप्त किया। लेकिन यह उपलब्धि जितनी गौरवशाली है, उतनी ही चिंताजनक भी। जनसंख्या वृद्धि दर अभी लगभग 0.81 % है और कुल उर्वरता दर 2.0 पर स्थिर हो गई है, जो प्रतिस्थापन दर (2.1) के करीब है। भारत की लगभग 68 % आबादी कार्यशील आयु वर्ग (15-64 वर्ष) में है, जो विश्व की सबसे बड़ी युवा शक्ति का निर्माण करती है। यह स्थिति भारत के लिए जनसंख्या लाभांश का अवसर प्रस्तुत करती है, बशर्ते कि इसे शिक्षा,कौशल और रोजगार की दिशा दी जाए। यदि यह जनसंख्या शिक्षित, प्रशिक्षित और उत्पादक बनी तो यही भारत को आर्थिक महाशक्ति बना सकती है, परंतु यदि यही जनसंख्या बेरोज़गारी,अशिक्षा और संसाधनों के अभाव में उलझी रही, तो यही राष्ट्र के लिए बोझ भी बन सकती है। नंतभारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि प्रत्येक वर्ष लाखों युवक श्रमबाज़ार में प्रवेश करते हैं, परंतु उनके लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर नहीं बन पाते। पीरियाडिक लेबर फोर्स सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार 15 वर्ष से ऊपर की आबादी में बेरोज़गारी दर 3.2 % रही, जबकि युवाओं (15-29 वर्ष) में यह बढ़कर 10.2 % तक जा पहुँची। कार्यशील आयु वर्ग में लगभग 64.33 करोड़ लोग हैं,परंतु संगठित क्षेत्र में उनका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा। उदाहरण के तौर पर किसी ग्रामीण क्षेत्र के दस हज़ार युवा जब शहरों की ओर रोज़गार की तलाश में जाते हैं,तो उनमें से मुश्किल से दो हज़ार को ही अस्थायी या कम वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। शेष बेरोज़गार या असंगठित क्षेत्र में अल्प आय पर कार्यरत रह जाते हैं। परिणामस्वरूप गरीबी,कुपोषण और सामाजिक तनाव की स्थिति बढ़ती है, जो राष्ट्र की विकास गति को धीमा करती है। भारत की विशाल जनसंख्या के कारण जल,भूमि, ऊर्जा और खनिज जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर असंतुलित दबाव बढ़ता जा रहा है। बढ़ती आबादी के साथ इनका अति-दोहन जल संकट,भूमि क्षरण और ऊर्जा की कमी जैसी गंभीर समस्याएँ उत्पन्न कर रहा है। महानगरों में रोजगार की तलाश में पलायन से झुग्गी-झोपड़ियाँ फैल रही हैं, यातायात और प्रदूषण का संकट बढ़ रहा है तथा जीवन स्तर गिरता जा रहा है। बढ़ती जनसंख्या का सबसे बड़ा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है – प्रदूषण, वनों की कटाई, कचरे का बढ़ता ढेर और ग्रीनहाउस गैसों का अत्यधिक उत्सर्जन अब चिंता का वैश्विक विषय बन चुका है। जब समाज का बड़ा हिस्सा भोजन,आवास,शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रहता है, तो स्वाभाविक रूप से असंतोष,असुरक्षा और अपराध में वृद्धि होती है, जिससे सामाजिक समरसता कमजोर पड़ती है। चीन ने इस समस्या के समाधान के लिए वन चाइल्ड पॉलिसी जैसी कठोर नीति अपनाई थी, जबकि भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप परिवार नियोजन, जागरूकता और स्वैच्छिक नियंत्रण की नीति को अपनाया। किंतु ग्रामीण और अशिक्षित क्षेत्रों में अब भी पर्याप्त जागरूकता का अभाव है। जनसंख्या नियंत्रण में शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा,सबसे प्रभावी माध्यम सिद्ध हो सकती है। एक शिक्षित महिला न केवल स्वयं जागरूक होती है बल्कि पूरे परिवार को सही दिशा देती है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे कौशल विकास अभियान,स्टार्टअप इंडिया,प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसी योजनाएँ युवाओं को आत्मनिर्भर और उत्पादक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यदि इन योजनाओं का लाभ गाँव-गाँव तक पहुँचे तो रोजगार सृजन की प्रक्रिया तीव्र हो सकती है।

भारत में विकास को संतुलित बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर और आधारभूत संरचना को मजबूत करना आवश्यक है, जिससे पलायन पर नियंत्रण हो सके और शहरी क्षेत्रों पर बढ़ता बोझ घटे। स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच और गुणवत्ता में सुधार कर मातृ-शिशु मृत्यु दर घटानी होगी। वर्ष 2024 में भारत की मातृ मृत्यु दर अब भी 97 प्रति एक लाख जीवित जन्म है और शिशु मृत्यु दर 27 प्रति हज़ार के आसपास है। इन आंकड़ों में सुधार किए बिना स्वस्थ भारत का सपना अधूरा रहेगा। जनसंख्या की समस्या केवल संख्याओं की नहीं बल्कि गुणवत्ता की समस्या है। एक शिक्षित,स्वस्थ और रोजगारयुक्त जनसंख्या ही राष्ट्र के विकास की गति को तीव्र कर सकती है। इसलिए आवश्यक है कि जनसंख्या को केवल बोझ न समझा जाए,बल्कि अवसर के रूप में देखा जाए। शिक्षा,स्वास्थ्य, रोजगार और जनसंख्या नियंत्रण की एकीकृत नीति ही इस अवसर को शक्ति में बदल सकती है।

कविता

डोमन निषाद 'डेविल'
ग्राम डूंडा जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़

संजीव-नी

क्या लिखूँ
मोहब्बत में
शुहरत में
चरम से
उत्तम से
विचलित हूँ
लिखूँ तो क्या लिखूँ?
क्या गृहसंसार पर
यह शुभविचार पर
और नहीं तो अभिनंदन करूँ
शब्दों से सवाल करता हूँ
लिखूँ तो क्या लिखूँ?
उलझन में हूँ
हे ईश्वर
आप ही बताओ
मेरी किस्मत में
लिखा तो क्या लिखा
दुविधा में हूँ
लिखूँ तो क्या लिखूँ?

सोशल मीडिया का,सूक्ष्म और आकर्षक भ्रमजाल

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह सहज

सोशल मीडिया आज संपर्क और संवाद का सबसे तेज़ माध्यम बन चुका है,लेकिन यह भूल जाना ख़तरनाक है कि वहाँ दिखने वाली दुनिया असलियत नहीं होती। यह एक ऐसी दुनिया है जहाँ लोग अपनी ज़िंदगी के केवल चमकदार हिस्से दिखाते हैं, जबकि हक़ीक़त के बोझिल, थके हुए,और टूटी हुई परतें कैमरे के बाहर रह जाती हैं। हर पोस्ट,हर तस्वीर,हर वीडियो के पीछे एक चयनित सच्चाई होती है,यानी जो दिखाना चाहें बस वही दिखाई देता है। नतीजा यह कि धीरे-धीरे लोगों ने असल ज़िंदगी की सादगी को छोड़कर आभासी जीवन की झूठी भव्यता को अपना आदर्श मान लिया है। इंसान अपने वास्तविक चेहरे से अधिक उस डिजिटल पहचान में डूबता जा रहा है, जो दूसरों के सामने परफेक्ट दिखती है। लेकिन यह परिपूर्णता की चाह मन की प्राकृतिक शांति छीन लेती है। आज अधिकांश लोग अनजाने में तुलना के दलदल में फँस चुके हैं,जहाँ दूसरों की मुस्कराहटें ईर्ष्या जगाती हैं,और दूसरों के सुख-दुख पर अंगूठा उठाना ही आत्म-संतुष्टि का माध्यम बन गया है। यह ठीक वैसा ही है जैसे दर्पण के सामने खड़े होकर खुद की जगह दूसरों की परछाई देखने लगना। सोशल मीडिया ने हमें देखे जाने की लत लगा दी है;अब हम जीवन जीने से ज़्यादा पोस्ट करने में व्यस्त हैं। खुशियाँ मनाने के बजाय उन्हें प्रमाणित करने की जिद ने आत्मिक शांति छीन ली है। यह भ्रमजाल इतना सूक्ष्म और आकर्षक है कि व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी वास्तविकता से कटने लगता है। रिश्ते केवल ऑनलाइन चैट तक सीमित हैं, भावनाएँ स्टेटस अपडेट बन चुकी हैं।

श्राद्ध में ठहरा समाज,सत्ता में चलता व्यापार

श्राद्ध पक्ष समाज को रोक देता है—शादी मत करो,गृहप्रवेश मत करो,नया व्यापार मत शुरू करो। लेकिन सत्ता की गाड़ी बिना ब्रेक के दौड़ती रहती है। नेता मंच सजाते हैं,मालाएँ पहनते हैं, उद्घाटन करते हैं,रैलियाँ करते हैं। धर्म का बोझ आमजन पर डाल दिया गया है,जबकि ताक़तवर लोग उसे अपनी सुविधा के हिसाब से तोड़-मरोड़ लेते हैं। श्राद्ध का असली अर्थ था स्मरण और विनम्रता, पर राजनीति ने इसे दिखावे और स्वार्थ का तमाशा बना दिया। असली सवाल यही है—धर्म किसके लिए है? आमजन की आस्था के लिए या सत्ता की सुविधा के लिए?

डॉ प्रियंका सौरभ

धर्म क्या है? यह सवाल जितना सरल लगता है, उतना ही पेचीदा है। पंडित बताएगा—धर्म वही है जो शास्त्रों में लिखा है। संत कहेगा—धर्म वही है जो मन को शुद्ध करे। नेता कहेगा—धर्म वही है जो वोट दिला दे। और आम आदमी कहेगा—धर्म वही है जो हमें रोकता है, डराता है और कभी-कभी चपत भी लगाता है। श्राद्ध पक्ष में यही धर्म सबसे ज़्यादा सक्रिय हो जाता है। पितरों का समय है,यानी वह अवधि जब पुरखे धरती पर आते हैं और हमसे अपेक्षा करते हैं कि हम उन्हें याद करें,तर्पण करें और दान-पुण्य करें। इस दौरान शादी-ब्याह,गृहप्रवेश, नया व्यापार या कोई नया शुभ काम करने की मनाही है। समाज मानता है कि यह 'अशुभ काल' है। यानी पूरा समाज 'रोक मोड' में चला जाता है। लेकिन राजनीति का समाज कभी रुकता नहीं। वहाँ श्राद्ध पक्ष में भी रैलियाँ होती हैं, फूल-मालाओं का आदान-प्रदान होता है, उद्घाटन होते हैं, माइक गरजते हैं और नेता जनता के सिर पर आशीर्वाद बरसाते हैं। कोई कहे—श्राद्ध में तो सब ठहर जाता है,तो राजनीति ठहाके मारकर कहती है—हमारे लिए हर दिन शुभ है, क्योंकि सत्ता ही सबसे बड़ा धर्म है। धर्म का असली मर्म है—सत्य, करुणा,न्याय और कर्तव्य। लेकिन आज यह रस्मों के बोझ तले दबकर रह गया है। राजनीति ने धर्म को अपनी चाकरी में लगा लिया है। धर्म कहता है—श्राद्ध में दिखावा मत करो, स्मरण करो। राजनीति कहती है—श्राद्ध में भी माइक बजाओ,मंच सजाओ,वोट जुटाओ। आम आदमी अपने पिता-दादा की आत्मा को तर्पण करने के लिए पानी में काले तिल डालता है। और नेता जनता की आत्मा को तर्पण करने के लिए मंच से झूठे वादे उछालता है। फर्क बस इतना है कि एक में चुप्पी है, दूसरे में शोर। सूतक का नियम भी दिलचस्प है। किसी के घर मृत्यु हो जाए तो तेरह दिन तक 'अशुद्धि' मानी जाती है। इस दौरान परिवार सामाजिक आयोजनों से दूर रहता है। यही नियम आम आदमी पर लोहे की तरह लागू है। लेकिन जब सत्ता की गाड़ी दौड़ती है, तो सूतक के सारे नियम ब्रेक की तरह फेल हो जाते हैं। नेता सूतक में भी शपथ ले लेता है, चुनाव लड़ लेता है, मंच पर मालाएँ पहन लेता है। क्यों? क्योंकि जनता का सूतक कभी ख़त्म नहीं होता और नेताओं का सूतक कभी शुरू ही नहीं होता। धर्म और परंपरा के नाम पर ग़रीब आदमी को रोका जाता है। बेटा,श्राद्ध पक्ष में शादी मत करना। गृहप्रवेश रोक लो,वरना अशुभ होगा। नया व्यापार मत खोलो,पितृ नाराज़ होंगे। पर उसी समय नेता उद्घाटन कर रहा होता है—चुनावी कार्यालय का,जनसभा पंडाल का, सड़क या पुल का। क्या पितर सिर्फ़ आम आदमी के घर ही आते हैं? क्या उन्हें राजनेताओं के मंच पर आने से डर लगता है?

या फिर पितरों ने भी मान लिया है कि वहाँ जाने से कोई फ़ायदा नहीं,क्योंकि नेताओं का मन पहले से ही 'पापमोचन' मोड में है। श्राद्ध का असली भाव था—पूर्वजों का स्मरण, मृत्यु का बोध और जीवन की नश्वरता को समझना। लेकिन इसे डर और दिखावे की परंपरा में बदल दिया गया। ब्राह्मण बुलाओ, दान करो, खाना खिलाओ,तभी पितर तृप्त होंगे। यानी धर्म एक सेवा से अधिक 'लेन-देन' बन गया।

प्रकृति की एक अनुपम भेंट शरद पूर्णिमा

लक्ष्मीनारायण सेन

हर माह में एक पूर्णिमा और एक अमावस्या आता है,और दोनों तिथियों का अपना एक विशेष महत्व होता है।उसमें से एक आज शरद पूर्णिमा का तिथि है।शरद पूर्णिमा एक मायने में प्रकृति,धरा और तन को आंतरिक रूप से एक नये स्वरूप प्रदान करती है। प्रकृति में वर्षा ऋतु की विदाई और शरद ऋतु की अगुवाई होती है,धरा में धान की हरी हरी बालियां पीत रूप में बदलने लगती है और हमारा तन सर्दी के मौसम के अनुरूप अपने आप को अनुकूलित करता है। शरद पूर्णिमा आध्यात्मिक दृष्टिकोण से भी विशेष मायने रखती है। कहा जाता है की आज ही के रात अमृत की वर्षा होती है, और इस वर्षा की बूंद को पीने महिनों से पपीहा प्रतिक्षा रत रहती है, क्योंकि यह पपीहा केवल शरद पूर्णिमा के रात आसमान से गिरने वाली अमृत युक्त पानी का ही सेवन करती है।शरद पूर्णिमा के रात अधिकांश जगहों पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन और अमृत तुल्य खीर प्रसादी का वितरण किया जाता है।शरद पूर्णिमा की तिथि से ही शिव जी को रिझाने कार्तिक स्नान का कार्यक्रम प्रारंभ होता है।सौभाग्य,आरोग्य,यश समृद्धि, और सम्पन्नता प्रदान करने वाली मां लक्ष्मी का प्रादुर्भाव समुद्र मंथन के द्वारा शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। शरद पूर्णिमा के दिन से ही धरा पर शीत वर्षा प्रारंभ होती है।ये शीत घास की नोक पर जब होता है, तो भोर लगता है, मानों धरती पर मोतियों का चादर बिछा हुआ हो।यह अनुपम छटा हमें धरा पर शरद पूर्णिमा के दिन से ही पूरे शरद ऋतु भर दिखाई देता है।धान की पीत बालियां धरा की खेत खलिहानों पर ऐसा प्रतीत होता है मानों वसुंधरा को सोने की आभूषण से सजायी हो।धरती पर उगने वाली शाक भी पूर्णतः इस समय विशुद्ध होता है। शरद ऋतु का आगमन शरद पूर्णिमा के दिन से ही होता है।शरद पूर्णिमा को पूरे वर्ष भर के सबसे बड़ा पूर्णिमा माना गया हैं।और वास्तव में शरद पूर्णिमा के रात का अपना एक अनुपम दृश्य होता है।शरद पूर्णिमा की रात के अनुपम दृश्य को देखकर कई साहित्यकारों के मन में अलौकिक भाव पैदा होता है और प्रकृति पर अपना गीत काव्य सृजन करतें है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पहुंचे राज्यपाल रमेन डेका

बच्चों से मिलकर कड़ी मेहनत कर,मन लगाकर पढ़ने किया प्रेरित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,06 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
सरगुजा जिला प्रवास के दौरान राज्यपाल श्री रमेन डेका सोमवार को विकासखण्ड लखनपुर के रजपुरीकला स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पहुंचे। उन्होंने यहां बालिकाओं से मिलकर कहा कि कड़ी मेहनत से ही सफलता प्राप्त होती है। इस दौरान जब राज्यपाल श्री डेका ने बच्चों से पूछा कि भविष्य में क्या बनना चाहते हैं,तो बच्चों ने अपनी - अपनी इच्छा जाहिर की। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि आप जो सपना देख रहें हैं,उसे साकार करने के लिए मेहनत करना होगा। अपना लक्ष्य निर्धारित कर ईमानदारी के साथ आगे बढ़े, मन लगाकर पढ़ाई करें,सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने शिक्षकों को कहा कि शिक्षक बच्चों को राह दिखाते हैं,इसलिए शिक्षक अपनी जिम्मेदारी को समझें, बच्चों के प्रति अच्छा व्यवहार रखें। उन्होंने बच्चों को शिक्षक के साथ अच्छा व्यवहार करने, उनका आदर करने कहा। उन्होंने कहा कि हमें गिरने पर खड़ा होने की ताकत शिक्षक से ही मिलेगी। इसी प्रकार उन्होंने बच्चों से कहा कि अपने माता-पिता का सम्मान करें, आवश्यकतानुसार ही मोबाईल का उपयोग करें। राज्यपाल श्री डेका ने इस दौरान विद्यालय को 5 कम्प्यूटर सिस्टम प्रदान करने की घोषणा की।

पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को किया सम्मानित

राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा विकासखण्ड लखनपुर अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को सम्मानित किया गया।इस दौरान ग्राम जुड़वानी नवापारा की मीरा प्रजापति एवं पहाड़ी कोरवा हितग्राही ग्राम लब्जी की नमिता को शॉल प्रदान कर सम्मानित कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं गई। वहीं दो हितग्रहियों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड, दो हितग्राहियों को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत अतिरिक्त पोषण आहार का वितरण किया गया। राज्यपाल श्री डेका इस दौरान स्व सहायता समूह की दीदियों से मिले। उन्होंने दीदियों द्वारा निर्मित की गई सामग्रियों का अवलोकन किया। ग्राम पंचायत कुन्नी की गायत्री महिला समूह द्वारा बनाए गए खाद्य सामग्रियों का अवलोकन कर आय की जानकारी ली। इसी प्रकार उन्होंने दीदियों द्वारा बनाए गए सजावटी सामग्रियों, बेकरी उत्पादों, कोसा शॉल, बोरा आदि का अवलोकन कर लागत एवं आय की जानकारी ली तथा आवश्यकताओं के बारे में पूछा। उन्होंने इसी प्रकार अन्य गतिविधियों का संचालन कर आगे बढ़ने प्रेरित किया।इस दौरान लोसंगी की बीसी सखी श्रीमती बालेश्वरी यादव ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2021 से अब तक 11 करोड़ रुपए का ट्रांसेक्शन किया है, राज्यपाल श्री डेका ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की ली बैठक

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने सरगुजा जिले के प्रवास के दौरान आज आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के जनपद पंचायत सभाकक्ष में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर आकांक्षी विकासखंड के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों,शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली।

बुनियादी ढांचे के तहत संचालित कार्यों की समीक्षा

राज्यपाल श्री डेका ने स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण,कृषि,प्रधानमंत्री आवास, सामाजिक विकास, वित्तीय समावेश तथा बुनियादी ढांचे के तहत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि आकांक्षी विकासखंड के अंतर्गत चल रहे विकासात्मक कार्यों का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने तथा शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने हेतु सभी विभाग समन्वित प्रयास करें।

जल संचयन के लिए किए जाएं ठोस प्रयास

राज्यपाल श्री डेका ने जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखते हुए कहा कि प्रत्येक ग्राम में जल संचयन के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। उन्होंने डबरी निर्माण, शोख पिट (सोखता गड्ढा), इंटक वेल जैसे संरचनात्मक कार्य तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि वर्षा जल का अधिक से अधिक संग्रहण और भू-जल स्तर में सुधार हो सके और मछली पालन को बढ़ावा मिल सके।

दसवीं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर कुमारी भूमिका रजवाड़े को प्रशस्ति दीं पत्र

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आकाशी ब्लाक अंतर्गत दसवीं कक्षा में जिले में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर कुमारी भूमिका रजवाड़े को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए आगे भी बेहतर पढ़ाई करने की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने जनपद पंचायत परिसर में एक पेड़ मां के नाम पौधा रोपणकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

न्यू बॉर्न केयर यूनिट में भर्ती और पोषण ट्रैकर से निगरानी करने के दिए निर्देश

स्वास्थ्य और पोषण को लेकर उन्होंने कुपोषित बच्चों की पहचान एवं सघन मॉनिटरिंग करने, न्यू बॉर्न केयर यूनिट में भर्ती और पोषण ट्रैकर से निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने मितानिन,महिला एवं बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के बीच समन्वय से डाटा संकलन करने कहा। वार्षिक प्रशिक्षण कैलेण्डर के अनुसार शिक्षकों का नियमित प्रशिक्षण, राज्य एवं जिला स्तर पर विषय-विशेष प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय और सूचकांकों के सतत सुधार की रणनीति पर कार्य करने को निर्देशित किया। राज्यपाल ने अधिकारियों को योजनाओं की जमीनी स्तर पर जांच के लिए मैदानी भ्रमण करने और लाभार्थियों से फीडबैक लेने के भी निर्देश दिए।

पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करने का किया आह्वान

एक पेड़ मां के नाम' अभियान को मिशन बताते हुए राज्यपाल ने सभी को पेड़ लगाने और दूसरों को भी पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। सभी सरकारी कार्यालयों में हरियाली बढ़ाने के लिए पौधरोपण के निर्देश दिए। बैठक में पर्यटन, संस्कृति,धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल,लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, कलेक्टर श्री विलास भोसकर,पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल,अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, जनपद सीईओ डॉ स्वेच्छा सिंह सहित जिला एवं ब्लॉक स्तरीय स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

दो आदतन अपराधी युवक गिरफ्तार,मारपीट और जानलेवा हमले के मामलों में पुलिस की कार्रवाई

-संवाददाता-
अंबिकापुर,06 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
शहर में आपराधिक गतिविधियों पर सख्ती दिखाते हुए कोतवाली पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में दो आदतन अपराधियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। दोनों ही युवक पहले से आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए गए हैं और समाज में असामाजिक माहौल बना रहे थे। पहला मामला 3 अगस्त का है, जब प्रार्थी हिमांशु गोयल निवासी बरेजपारा अंबिकापुर ने कोतवाली थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सुबह अपनी दुकान के लिए निकल रहा था, तभी उसने देखा कि दो अज्ञात युवक उसके घर की बाउंड्री के भीतर बोरिंग की मोटर का तार

निकालने की कोशिश कर रहे हैं। पूछताछ करने पर युवकों ने उसे गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और ईंट से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी सैयद सैफ (19 वर्ष), निवासी रसुलपुर, अंबिकापुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अपराध स्वीकार

किया। आरोपी के खिलाफ पहले से भी आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज है। मामले में धारा 333, 296, 351(3), 115(2), 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया। दूसरा मामला 31 अगस्त की रात का है, जब अग्रसेन वार्ड निवासी संजय गोयल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका स्टाफ उसे सूचना दिया कि एक युवक शराब के नशे में गाली-गलौज कर रहा है और हाथ में चाकू लेकर धमका रहा है। यह युवक पूर्व में भी चोरी की नीयत से घर में घुस चुका था। संजय गोयल जब मौके पर पहुंचा और युवक से बात की तो आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए हाथ-पैर और मुक्कों से हमला कर दिया। उसने चाकू लहराते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। आरोपी की पहचान अरशद उर्फ आशु अंसारी (20 वर्ष),निवासी बरेजपारा अंबिकापुर के रूप में हुई। पूछताछ में उसने भी अपराध स्वीकार किया। आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 622/25 के तहत धारा 296, 351(3), 115(2), 305, 331(4), 238 बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पुलिस का कहना है कि ऐसे आपराधिक प्रवृत्ति के युवकों पर सख्त कार्रवाई कर यह संदेश देना जरूरी है कि समाज में रोल मॉडल बनने वाले व्यक्ति अपराधी नहीं,जिम्मेदार नागरिक होने चाहिए। युवाओं को गलत राह पर जाने से रोकना और उन्हें सही दिशा में प्रेरित करना आज की जरूरत है। नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने या हथियारों के प्रदर्शन पर भी अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी मनीष सिंह परिहार के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक छत्रपाल सिंह, जगसाय मरकाम,आरक्षक लालभुवन सिंह,संतोषी पांडेय, सचिन सिन्हा व जगेश्वर मरकाम की भूमिका सराहनीय रही।

पत्नी को भगाने के शक में टांगी से हमला कर युवक की हत्या,आरोपी फरार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,06 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जटासेमर में रविवार की रात करीब 12 बजे एक युवक ने शराब के नशे में टांगी से गर्दन पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया। सूचना पर धौरपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस आरोपी की तलाश कर ही है। जानकारी के अनुसार रत्लू कोरवा पिता विपता उम्र 28 वर्ष ग्राम अंबापकरी थाना बगीचा जशपुर का रहने वाला था। रविवार को रत्लू पत्नी के साथ धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सरईपारी भेडिया आया था। यहां से रत्लू पत्नी के साथ अपने बड़ा ससुर के घर जटासेमर गया था। रात में सभी खाना पीना खा रहे थे। रात करीब 12 बजे गांव के ही मोहर साय कोरवा शराब के नशे में टांगी लेकर

पहुंचा और तुम मेरी पत्नी को अपने भाई के साथ भगा दिए हो कहते हुए टांगी से रत्लू के गर्दन पर तीन से चार बार हमला कर दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना पर सोमवार की सुबह धौरपुर पुलिस व फॉरेंसिक की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस ने बताया कि आरोपी व मृतक आपस में रिश्तेदार हैं। कुछ दिन पूर्व आरोपी की पत्नी मृतक के छोटे भाई के साथ भग गई है। आरोपी को शंका था कि मृतक रत्लू कोरवा ने ही मेरी पत्नी को भगवाया है। इस लिए वह वारादात को अंजाम दिया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

अटल बिहार कॉलोनी में नई कार्यकारिणी का गठन,सुरक्षा के लिए गेट बंद करने का निर्णय

-संवाददाता-
अंबिकापुर,06 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा निर्मित अटल बिहार कॉलोनी, सरगवां में रविवार को हाउस होल्डर्स की बैठक आयोजित की गई, जिसमें पुराने कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी समिति का सर्वसम्मति से गठन किया गया। इस बैठक में कॉलोनी की सुरक्षा, विकास एवं बुनियादी समस्याओं को लेकर अहम निर्णय लिए गए। बैठक में प्रमोद श्रीवास्तव को सर्वसम्मति से कॉलोनी समिति का अध्यक्ष चुना गया। उपाध्यक्ष के रूप में दीपक जायसवाल, संजय सिंह और संजय गुप्ता का चयन हुआ। चंद्र भूषण पांडेय को सचिव एवं नरेंद्र पांडेय को सह-सचिव बनाया गया। कोषाध्यक्ष अजय चतुर्वेदी और सह-कोषाध्यक्ष जगदंबा पाठक होंगे। आय-व्यय निरीक्षक के रूप में आशुतोष मिश्र और प्रवक्ता (मीडिया प्रभारी) के रूप में अशोक विश्वकर्मा,प्रमेन्द्र यादव और अजय चतुर्वेदी को जिम्मेदारी दी गई है। समिति में संरक्षक के रूप में हेमेन्द्र मिश्रा, आरके खरे, डीएन पाठक, सुरेंद्र पंडा और अहिरूमन यादव को शामिल किया गया है। वहीं, कार्यकारिणी सदस्यों में रूपेश गुप्ता,राजकुमार सिंह,बालचंद गुप्ता, अशोक पांडेय,अनिल मिश्रा,मनीष शर्मा,विजय साहू,अनिलेश तिवारी, उदय चौधरी,दुधेश्वर राजवाड़े, जे.के. कुजूर,अशोक सोनी,रमेश याज्ञिक और डॉ. शरद वर्मा शामिल हैं। नई कार्यकारिणी के गठन के बाद अध्यक्ष प्रमोद श्रीवास्तव ने कहा कि कॉलोनी के विकास और समस्याओं के निराकरण के लिए समिति पूरी निष्ठा से कार्य करेगी। उन्होंने बताया कि बाउंड्रीवाल का अभाव कॉलोनीवासियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है, लेकिन हाउसिंग बोर्ड इस विषय में उदासीनता बरत रहा है। कॉलोनी में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। समिति ने निर्णय लिया है कि 10 अक्टूबर से कॉलोनी का मुख्य गेट बंद रखा जाएगा। केवल कॉलोनीवासियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी, जबकि बाहरी लोगों को सुरक्षा गार्ड द्वारा पूछताछ के बाद ही प्रवेश दिया जाएगा। यह कदम कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

पुलिस को चकमा देकर अस्पताल के जेल वार्ड कैदी फरार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,06 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
मेडिकल कॉलेज अस्पताल के जेल वार्ड से सोमवार की सुबह सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मी को चकमा देकर सजायापता बंदी फरार हो गया। वह हत्या के मामले में केन्द्रीय जेल में बंद था। तबियत बिगडने पर उसे जेल प्रशासन द्वारा 4 अक्टूबर को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लापरवाही पर आरक्षक को सस्पेंड कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार मुकेश कांत पिता हरीप्रसाद उम्र 41 वर्ष बिलासपुर जिले के ग्राम मलहार का रहने वाला है।

हत्या के मामले में आजीवन आजीवन कारावास की सजा बिलासपुर केन्द्रीय जेल में काट रहा था। बिलासपुर जेल में कुछ बदमाशी करने पर उसे वर्ष 2024 में केन्द्रीय जेल अंबिकापुर ट्रांसफर किया गया था। तब से वह यहां रह रहा था। 4 अक्टूबर को यूरिन संबंधित बीमारी की शिकायत पर केन्द्रीय जेल प्रशासन के निर्देश पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया था। उसे जेल वार्ड में रखा गया था। जेल वार्ड में ड्यूटी जिला पुलिस बल की थी। सोमवार की सुबह वह शौच जाने के लिए बोलने पर उसे शौचालय में ले जाया गया था। इस दौरान सुरक्षा कर्मी को चकमा देकर फरार हो गया। जब काफी देर बाद भी बाहर नहीं निकला तो सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मी शौचालय में जाकर देखा तो उसका कहीं पता नहीं था। बंदी के भागे जाने की रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। वहीं मामले में लापरवाही पाए जाने पर एसपी राजेश अग्रवाल ने सुरक्षा में तैनात आरक्षक मदन लाल पैकरा को सस्पेंड किया है।

बेलचा से मारकर पिता की हत्या

-संवाददाता-
अंबिकापुर,06 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मीपुर में 5 अक्टूबर को पुत्र ने बेलचा से मारकर पिता को गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो गई। जानकारी के अनुसार उजियार पिता स्व. भुखल गोड़ उम्र 50 वर्ष 4 अक्टूबर की रात को गांव के दशरथ के घर अपने दोनों बेटे बैजनाथ व सज्जन के साथ करमा तिहार में गया था। वहां सभी शराब व अड़िया का सेवन किया था।

रविवार की सुबह दोनों बेटे घर चले आए और यहां सज्जन अपनी मां के साथ गाली गलौज व मारपीट करने लगा। यह देखकर बैजनाथ ने अपने पिता को बुलाने जा रहा था। उधर से पिता वापस घर आ रहा था। रास्ते में बैजनाथ ने भाई द्वारा मां के साथ की जा रही मारपीट व गाली गलौज की जानकारी दी।

इस बात पर पिता गुस्से में आ गया और रास्ते से डंडा लेकर बेटा सज्जन को मारने आ रहा था। यह देखकर सज्जन छानी पर चढ़ गया। तभी अचानक सज्जन छानी से कूद कर जमीन पर पड़े बेलचा उठाया और पिता को मारकर फरार हो गया। बेलचे से चोट लगने से वह गंभीरर रूप से जख्मी हो गया।

उसे इलाज के लिए प्रेमनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सको ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

नाबालिक को जान से मारने की देते हुए मारपीट करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक रिमांड पर

-संवाददाता-
रामचंदरपुर,06 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
जानकारी के अनुसार बलरामपुर जिले के रामचंदरपुर पुलिस ने साइड लेने को लेकर नाबालिक को जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट करने वाले आरोपीअली मोहम्मद पिता स्व कईल प उम्र 40 वर्ष जाति मुस्लिम निवासी ग्राम रेवतीपुर थाना रामचंद्रपुर, जिला बलरामपुर रामानुजगंज इनताज अली पिता हसमुद्दीन उम्र 35 वर्ष जाति मुस्लिम निवासी ग्राम रेवतीपुर थाना रामचंद्रपुर, को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक रिमांड पर। दिनांक 06.10.25 को प्रार्थी आशीष सिंह पिता धर्म सिंह, ग्राम रेवतीपुर भीतरी थाना रामचंद्रपुर थाना उपस्थित आकर लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट लिखवाया कि दिनांक 4.10.25 को प्रार्थी अपने दोस्त गौतम के साथ ग्राम दोलगी जा रहे थे कि आरोपियों के बाजू से साइड लेकर आगे चले जाने से नाराज हो कर आरोपियों के द्वारा नाबालिक प्रार्थी को जातिगत गाली देकर जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ मुक्का से मारपीट किया गया है।

प्रार्थी कि रिपोर्ट पर थाना रामचंद्रपुर में अपराध क्रमांक 34/25 धारा 296,115 (2)351(3),3(5), BNS SC,St act 3(1) (द) (ध) कायम आरोपियों की पता तलाश कर दोनों आरोपियों को आज दिनांक 6.10.25 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

राज्य स्तरीय काव्य-पाठ प्रतियोगिता में सरगुजा की अलीशा शेख ने लहराया परचम

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किया सम्मानित,20 हजार रुपए नकद पुरस्कार प्रदान किया

-संवाददाता-
अंबिकापुर,06 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रजत जयंती वर्ष 2025-26 के उपलक्ष्य में राज्य युवा आयोग एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राज्य स्तरीय काव्य-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में किया गया। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी संभागों से चयनित युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया। सरगुजा संभाग की ओर से सुश्री खुशबू गुप्ता, सुश्री अलीशा शेख एवं सुश्री स्नेहा गुप्ता ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में सरगुजा की ही प्रतिभाशाली कवयित्री सुश्री अलीशा शेख ने अपनी उत्कृष्ट काव्य प्रस्तुति से निर्णायकों को प्रभावित करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया। राज्य स्तर पर चयनित प्रथम तीन प्रतिभागियों

को रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में देश के सुप्रसिद्ध कवियों के साथ मंच साझा करने का अवसर प्रदान किया गया। सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, खेल मंत्री श्री अरुण साव, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, तथा राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर की गरिमामय उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा सुश्री अलीशा शेख को 20,000 रुपए नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मारेंगे चाकू,निकलेगा खून...युवकों ने रील बनाकर सोशल मीडिया में किया पोस्ट,जेल पहुंचते ही रो पड़ा...बोला-साहब छोड़ दो

-संवाददाता-
सरगुजा,06 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ में रीलबाजों की दादागिरी लगातार बढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया पर कई युवक आपत्तिजनक कंटेंट,धमकी भरे वीडियो और गाली-गलौज वाले रील्स बनाकर खुद को गैंगस्टर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन अब पुलिस ऐसे रीलबाजों पर सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में सरगुजा पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए दोनों युवक सोशल मीडिया पर गाली-गलौज और धमकी भरे रील्स बनाकर इंस्टाग्राम पर डालते थे। वीडियो में युवक खुलेआम कहते दिख रहे हैं-मारेंगे चाकू,निकलेगा खून। वहीं,दूसरे वायरल रील में युवक धमकी देते हुए नजर आ रहा है-हमसे मोहब्बत नहीं करोगे तो अंजाम भुगतोगे। इन वीडियो को देखकर लोग हैरान रह गए, जिसके बाद यह मामला पुलिस तक पहुंचा। मामले की जानकारी मिलते ही सरगुजा एसपी राजेश अग्रवाल ने तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस ने तकनीकी जांच के जरिए वीडियो बनाने वाले दोनों युवकों की पहचान की। इनमें से एक युवक सैयद सैफ अंबिकापुर के रसूलपुर इलाके का रहने वाला है। जांच में सामने आया कि सैयद सैफ के खिलाफ पहले से ही कोतवाली थाने

में धारा 452 सहित अन्य धाराओं में अपराध दर्ज है। पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उन्होंने सोशल मीडिया पर फेमस होने के लिए इस तरह के रील्स बनाने की बात कबूल की। पुलिस ने इन दोनों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया,जहां से दोनों को जेल भेजने का आदेश मिला। बताया जा रहा है कि जब पुलिस आरोपी सैयद सैफ को जेल दाखिल कराने सेंट्रल जेल लेकर पहुंची,तो जेल गेट पर पहुंचते ही वह रोने लगा और पुलिस अधिकारियों से छोड़ देने की गुहार लगाने लगा। लेकिन पुलिस ने किसी तरह की नरमी नहीं दिखाई और तय प्रक्रिया के तहत उसे जेल दाखिल करा दिया। दूसरे युवक को भी न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर जेल भेजा गया है।

बिना डिग्री मरीजों को इंजेक्शन लगा रहा था संचालक,प्रशासन ने मेडिकल दुकान सील

-संवाददाता-
बलरामपुर,06 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
शहर के राजपुर इलाके में एक मेडिकल दुकान में खुलेआम मरीजों को बिना उचित अनुमति और वैध लाइसेंस के इंजेक्शन लगाने का मामला सामने आया। इस खबर के बाद प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित मेडिकल दुकान को सील कर दिया है। यह कदम कलेक्टर के निर्देश पर लिया गया। मेडिकल दुकान में जाकर मीडिया ने जब स्थिति का जायजा लिया,तो पाया कि यहाँ न तो कोई डॉक्टर मौजूद था और न ही कोई उचित चिकित्सा सुविधा। बावजूद इसके मरीजों को वहां इंजेक्शन लगाए जा रहे थे, जो न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है बल्कि सरकारी नियमों का भी उल्लंघन है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने राजपुर क्षेत्र में तुरंत जांच का आदेश दिया। जांच के दौरान यह पुष्टि हुई कि मेडिकल स्टोर संचालक बिना डॉक्टर की देखरेख के इंजेक्शन लगाने का कार्य कर रहा था। इसके बाद प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर मेडिकल दुकान को सील कर दिया।

किसानों को धान विक्रय के लिए एग्रीस्टैक पंजीयन कराना अनिवार्य

छत्तीसगढ़ में पोर्टल से जुड़ रहे हैं लाखों किसान

-संवाददाता-
अंबिकापुर,06 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ सरकार किसानों के जीवन में तकनीक के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में अब राज्य में एग्रीस्टैक पोर्टल को तेजी से लागू किया जा रहा है। यह पोर्टल किसानों के लिए एक डिजिटल सार्वजनिक संरचना है, जो खेती से जुड़ी सभी प्रमुख जानकारियों को एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराता है।

क्या है एग्रीस्टैक पोर्टल?

एग्रीस्टैक एक सुरक्षित डिजिटल सिस्टम है,जिसमें किसान की पहचान, जमीन का रिकॉर्ड, फसल की जानकारी और कृषि संबंधी गतिविधियों का पूरा विवरण एकीकृत रूप से दर्ज किया जाता है। इस डेटा का उपयोग किसान की सहमति से ही साझा किया जाता है, जिससे उसकी निजी जानकारी पूरी तरह सुरक्षित रहती है।

धान विक्रय के लिए अनिवार्य पंजीयन

इस वर्ष राज्य में सहकारी समितियों के माध्यम से धान विक्रय करने वाले किसानों के लिए एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। यह कदम पारदर्शिता लाने और किसानों को योजनाओं का लाभ सीधे उनके खाते तक पहुंचाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

पंजीकरण की प्रक्रिया सरल और निःशुल्क

किसानों के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया बेहद आसान है। किसान अपने आधार कार्ड और ऋण पुस्तिका के साथ नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर या अपनी सहकारी सोसायटी में जाकर निशुल्क पंजीकरण करवा सकते हैं। पूरी प्रक्रिया कुछ ही मिनटों में पूरी हो जाती है और किसान को तुरंत डिजिटल पहचान प्रदान की जाती है।

24 लाख से अधिक किसान जुड़ चुके हैं

राज्यभर में अब तक 24 लाख से अधिक किसानों ने एग्रीस्टैक पोर्टल से जुड़कर डिजिटल कृषि सेवाओं का लाभ उठाना शुरू कर दिया है। सरकार का लक्ष्य है कि आगामी रबी सत्र तक राज्य के सभी पात्र किसान इस प्लेटफॉर्म से जुड़कर लाभ उठाना सुनिश्चित करें।

वन्यप्राणी सप्ताह अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,06 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
वन्यप्राणी सप्ताह 02 से 08 अक्टूबर 2025 के अंतर्गत शनिवार को कक्षा पहलीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न वर्गों में चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिसमें चित्रकला प्रतियोगिता का विषय वन एवं वन्यप्राणी रखा गया, वहीं निबंध प्रतियोगिता के लिए छोटे बच्चों को वन एवं वन्यप्राणी तथा मैंने चिड़ियाघर में जो जानवर देखे जैसे रोचक विषय दिए गए। वरिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन का हाथियों एवं वन्यप्राणियों पर प्रभाव जैसे संवेदनशील एवं समसामयिक विषय दिए गए। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी सृजनशीलता एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन वनमंडलाधिकारी सरगुजा श्री अभिषेक जोगावत के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षु भारतीय वन सेवा अधिकारी सुश्री श्वेता कंबोज के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।इस दौरान उप वन मण्डलाधिकारी श्रीमती जेनी ग्रेसी कुजूर सहित वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

व्यापार समाचार

सप्ताह के पहले दिन ही मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 2.01 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली,06 अक्टूबर (ए)। आईटी, हेल्थ केयर और बैंकिंग सेक्टर में हुई जोरदार खरीदारी तथा मजबूत ग्लोबल संकेतों के कारण घरेलू शेयर बाजार आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली तेजी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिर कर कुछ देर के लिए लाल निशान में पहुंच गए। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल लगभग पूरे दिन तेज बनी रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.72 प्रतिशत पर निफ़्टी 0.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, बैंकिंग और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होते रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस,ऑटोमोबाइल,कैपिटल गुड्स और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर मेटल, एफएमसीजी,कंज्यूमर ड्यूरेबल और मीडिया सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर,स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 459.82 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी

शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 457.81 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.01 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,449 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,827 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,453 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 169 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,841 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,227 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,614 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 67.62 अंक की मजबूती के साथ 81,274.79 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण पहले 15 मिनट में ही ये सूचकांक 51.29 अंक की कमजोरी के साथ लाल निशान में 81,155.88 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के कारण ये सूचकांक आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले 639.25 अंक की मजबूती के साथ 81,846.42 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 582.95 अंक की बढ़त के साथ 81,790.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी में आज 22.30 अंक उछल कर 24,916.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में ये सूचकांक सारी बढ़त गंवा कर 12.60 अंक की कमजोरी के साथ 24,881.65 अंक तक लुढ़क गया। इसके बाद बाजार में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया,जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। हालांकि बीच-बीच में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली का हल्का-फुल्का झटका भी लगता रहा, इसके बावजूद ये सूचकांक मजबूती की राह पर ही चलता रहा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 201.70 अंक की तेजी के साथ 25,095.95 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई बिकवाली के कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 18 अंक फिसल कर 183.40 अंक की मजबूती के साथ 25,077.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से मैक्स हेल्थ केयर 6.59 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 3.97 प्रतिशत, टीसीएस 2.98 प्रतिशत,अपोलो हॉस्पिटल 2.85 प्रतिशत और टेक महिंद्रा 2.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टाटा स्टील 1.82 प्रतिशत, अदानी पोर्ट्स 1.31 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 0.97 प्रतिशत,आयशर मोटर्स 0.88 प्रतिशत और आईटीसी 0.88 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

रुक्मणी देवी गर्ग एग्रो इंपेक्स ने किया निराश,पहले दिन ही निवेशकों को नुकसान

नई दिल्ली,06 अक्टूबर (ए)। एग्रीकल्चरल फूड्स का कारोबार करने वाली बिक्री करने वाली रुक्मणी देवी गर्ग एग्रो इंपेक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 99 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 79.20 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर फिसल कर 75.24 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। हालांकि कुछ देर बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण लोअर सर्किट ब्रेक हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 77.13 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 22.09 प्रतिशत का नुकसान हो गया। रुक्मणी देवी गर्ग एग्रो इंपेक्स का 23.52 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 30 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 29.59 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स

(क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 8.24 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 77.12 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 39.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 23.76 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

नीति आयोग को भारत-अमेरिका के बीच जल्द व्यापार समझौते की उम्मीद

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (ए)। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम ने सोमवार को भरोसा जताया कि भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही एक व्यापार समझौता हो जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों देश पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं। नीति आयोग के सीईओ ने राजधानी नई दिल्ली में तिमाही आधार पर व्यापार विश्लेषण पर रिपोर्ट (ट्रेड वॉच क्वार्टरली) जारी करते हुए यह बात कही।

सुब्रह्मण्यम ने कहा कि अच्छी बात यह है कि दोनों पक्ष अभी भी एक व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि पिछले महीने बातचीत हुई थी, इसलिए मुझे लगता है कि दोनों पक्षों को उम्मीद है। सुब्रह्मण्यम ने ये भी कहा कि भारत को शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को कम करना चाहिए और विनिर्माण क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने के लिए अपने बाजारों को खोलना चाहिए। सुब्रह्मण्यम ने वित्त वर्ष 2024-25 (जनवरी से मार्च) की चौथी तिमाही के लिए ट्रेड वॉच त्रैमासिक का नवीनतम संस्करण जारी किया। यह भारत के व्यापार प्रदर्शन का गहन मूल्यांकन प्रस्तुत करता है, जिसमें

वस्तुओं और सेवाओं के रुझान, वैश्विक मांग में बदलाव और निर्यात विविधीकरण की संभावनाओं को शामिल किया गया है। इसके साथ ही उच्च मांग वाले वैश्विक बाजारों में विविधता लाने की अनिवार्यता पर भी जोर दिया गया है। नीति आयोग सीईओ ने कहा कि अमेरिकी शुल्क का क्रिसमस तक कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा, हालांकि अगर दोनों देश व्यापार समझौते पर सहमत नहीं होते हैं, तो उसके बाद एक समस्या देखने को मिलेगी। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अगस्त में भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 फीसदी कर दिया था। इसमें भारत के रूस से कच्चे तेल खरीदने के कारण लगाया गया 25 फीसदी का दंडात्मक शुल्क शामिल है। इसके बाद नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों में तनाव आ गया।

CMYK

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष का कोरिया आगमन पर भव्य स्वागत

स्वदेशी को घर-घर पहुंचाने से विकसित भारत की संकल्पना होगी पूरी:विभा अवस्थी

-संवाददाता-
बैकुंठपुर, 06 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।
भाजपा महिला मोर्चा छत्तीसगढ़ प्रदेश के अध्यक्ष श्रीमती विभा अवस्थी के प्रथम कोरिया आगमन पर ढोल-नगाड़ा, करमा नृत्य व आतिशबाजी, फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल,जिला उपाध्यक्ष रविशंकर राजवाड़े,चुन्नी पैकरा, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े, जिला मंत्री शारदा गुप्ता,जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, महिला मोर्चा जिला प्रभारी प्रवीण सिंह,प्रभारी अनिता तिवारी,महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मवती राजवाड़े,नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, जिला पंचायत सदस्य गीता राजवाड़े मौजूद रहें।

कार्यक्रम मे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन से लेकर 02 अक्टूबर गाँधी जयंती तक पार्टी द्वारा आयोजित सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का समीक्षा कर आगामी संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा किया गया। साथ प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी अभियान को टोला,मोहल्ला,हाट-बाजार मे जनसम्पर्क कर प्रचार प्रसार करने रणनीति तैयार किया गया।

महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष विभा अवस्थी ने संबोधित करते हुए कहा कि, देश यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर आत्म निर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत भारत में बनी वस्तुओं के उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिया है,उसे साकार करने में हर कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम मे उपस्थित सभी लोगों ने हर-घर स्वदेशी,घर-घर स्वदेशी का संकल्प लिया। भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा केन्द्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान को ज़मीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है,भारत की संस्कृति,विरासत और भारत मे बनी वस्तु पर देशवासी को गर्व होना चाहिए। कहा कि जन जागरण के माध्यम से लोगों को स्वदेशी का उपयोग करने लिए प्रेरित करें। उन्होंने भारत मे निर्मित वस्तुओं को अधिक से अधिक उपयोग करने का आह्वान किया।

महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मवती राजवाड़े ने कहा कि,भारतीय जनता पार्टी ही एक मात्र राजनितिक पार्टी है जहाँ सत्ता और संगठन के बीच समन्वय स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। पार्टी में कार्यकर्ताओं को सदैव प्राथमिकता दी जाती है। कार्यक्रम मे मंच संचालन महिला मोर्चा जिला महामंत्री संगीता गुप्ता ने किया। इस अवसर पर महिला मोर्चा जिला महामंत्री संगीता गुप्ता,मंजू जिवनानी,जिला उपाध्यक्ष ओमेशवरी राजवाड़े, जिला मंत्री सीमा सिंह,कविता यादव,वर्षा साहू , रामवती राजवाड़े,पार्षद रेखा वर्मा,मीरा सोनी,जी , महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष रीता यादव,उर्मिला सिंह,ममता कुशवाहा,दीपा विश्वकर्मा,रेनू सिंह , उर्मिला राजवाड़े,सुनीता राजवाड़े,धनेश्वरी राजवाड़े, लोचनी,लीला, आभा, साक्षी सिंह राजपूत, प्रियंका सिंह, बेलावती राजवाड़े, सुशीला राजवाड़े, गंगा मानिकपुरी,कमली बाई,अहिल्या राजवाड़े,सुशीला साहू,पुष्पा राजवाड़े, भारती,मीना,अनुराधा राजवाड़े, शिवकुमारी, महेश्वरी,झारमिला सहित महिला मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

वीरांगना रानी दुर्गावती जयंती पर पूर्व विधायक गुलाब कमरों हुए शामिल

-संवाददाता-
एमसीबी,06 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।
ग्राम सिरौली में आज आदिवासी गोंड समाज द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती की जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक गुलाब कमरों शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान शंकरङ्कपार्वती और वीरांगना रानी दुर्गावती की पूजा-अर्चना से की गई, जहां पूरे विधि-विधान के साथ दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने अपने उद्बोधन में कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती न केवल गोंड समाज की शान थीं, बल्कि वे सम्पूर्ण भारतवर्ष की वीरांगना थीं जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने युवाओं से उनके आदर्शों पर चलने और समाज की एकता,शिक्षा और जागरूकता को बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने रानी दुर्गावती के जीवन परिचय,उनके बलिदान और देश के प्रति योगदान पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि रानी दुर्गावती ने जिस साहस और पराक्रम से मुगल आक्रमण का सामना किया, वह आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणा स्रोत है। समाज के जिलाध्यक्ष शरण सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हमें रानी दुर्गावती के आदर्शों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। उनके संघर्ष और त्याग से प्रेरणा लेकर समाज में जागरूकता लाना और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

परमेश्वर सिंह गुरुजी ने रानी दुर्गावती के बलिदान,वीरता और शौर्य की गाथा बताई,उन्होंने कहा कि हमें महापुरुषों के बारे में जानकारी रखना चाहिए,उनके आचरणों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। साथ ही,कार्यक्रम में नशे की बुराइयों,सामाजिक बुराइयों और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि यदि समाज नशे से दूर रहेगा,तो निश्चित ही विकास की ओर अग्रसर होगा। बच्चों और युवाओं ने इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिनमें देशभक्ति गीत,नृत्य और लोकगीतों ने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से...शरण सिंह, अमोल सिंह मरावी,परमेश्वर सिंह गुरुजी, जगत नारायण सिंह, शिवरतन सिंह, अमर सिंह, जुगुम बाई (सरपंच), पूजा कोल (जनपद सदस्य),मोतीलाल सिंह, संतोष सिंह, तेजभान सिंह, गेंदलाल सिंह, भूपत सिंह, विश्वनाथ सिंह,सुंदर सिंह, ब्रह्मा सिंह, मदन सिंह सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी जयंती पर जिले में शुरू हुआ कुष्ठ रोग जागरूकता सप्ताह

-संवाददाता-
एमसीबी,06 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
जिले में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक कुष्ठ जागरूकता सप्ताह की शुरुआत की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके बाद जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. मो. वसीक अस्दक, अवनीश पांडेय और कुष्ठ सहायक नोडल संतोष सिंह ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बताया गया कि कुष्ठ कोई लाइलाज बीमारी नहीं है, बल्कि इसका 100 प्रतिशत इलाज संभव है। जरूरत है केवल सही समय पर पहचान और उपचार की। डॉ. मो. वसीक अस्दक ने बताया कि समाज में आज भी कुष्ठ के प्रति कई तरह की गलतफहमियां फैली हुई है, जबकि यह पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति में हल्के रंग का धब्बा, धब्बे वाले स्थान पर सुन्नपन, कोहनी के पास नस का मोटापन या कान के ऊपर मोटापन जैसे लक्षण दिखाई दें, तो उसे तुरंत स्वास्थ्य केंद्र जाकर जांच करानी चाहिए। जिला कुष्ठ अधिकारी ने यह भी बताया कि कुष्ठ रोग की सभी दवाइयां जिले के प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में निशुल्क उपलब्ध हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि लक्षण दिखने पर बिना झिझक उपचार लें और दूसरों को भी इस संबंध में जागरूक करें।

24 घंटे में चोरी का खुलासा, 01 किशोर बालक सहित 02 आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा,06 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
प्रार्थी लखन पटेल पिता राम कुमार पटेल उम्र 35 वर्ष सा0 भिलाईखुर्द कमांक 01 थाना उरगा जिला कोरबा हा0मु0 कृष्णानगर अंदर चर्च के पास चौकी मानिकपुर थाना कोतवाली जिला कोरबा का दिनांक 01.10.2025 को चौकी उपस्थित आकर प्रथम सूचना पत्र दर्ज कराया कि यह मिनीमाता कॉलेज के पास कुआभट्ठा,मुड़ापार-घंटाघर रोड कोरबा में लखन मोबाईल रिपेयरिंग सेंटर का संचालन करता है यह उक्त दुकान में इयर फोन वगैरह बेचने के अतिरिक्त कम्प्युटर,मोबाईल फोन बनाने का काम करता है यह अपने दुकान को प्रतिदिन 08.30 बजे के आसपास दुकान को खोलता है तथा रात 08-09 बजे के आसपास दुकान को बंद करता है यह दिनांक 27.09.2025 के रात 08.30 बजे के आसपास दुकान को बंद करने के बाद वापस घर आ गया,दुसरे दिन दिनांक 28.09.2025 के सुबह 08.00 बजे के आसपास दुकान को खोलने गया तो देखा कि दुकान का साईड का दरवाजा टुटा हुआ था तथा सेंटर लॉक टुट गया था,यह दुकान के अंदर जाकर देखा तो दुकान सामान अस्त-व्यस्त था,दुकान का सामान का मिलान किया तो 01-रोबोटेक कम्पनी का इयर फोन गोल वाला-03 नग (नया) 02-रोबोटेक कम्पनी का इयर फोन वायर वाला-21 नग (नया) 03-स्पीकर- 01 नग (पुराना इस्तेमाली) 04-ओप्पो कम्पनी का पुराना इस्तेमाली एन्ड्राईड मोबाईल फोन (कस्टमर का जो दुकान में बनने आया था।) 05- लैपटॉप पुराना इस्तेमाली (डेल कम्पनी का जो कस्टमर का बनने दुकान आया था।) नहीं था। दिनांक 27.09.25 के रात 08.30 बजे से दिनांक 28.09.2025 के 08.00 बजे के मध्य कोई अज्ञात व्यक्ति के द्वारा इसके दुकान में लगे ताला को तोड़कर अंदर प्रवेश कर उक्त सामान को चोरी कर ले गया है का रिपोर्ट दर्ज कराया है जो प्रार्थी का रिपोर्ट पर धारा सदर

सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया है। प्रकरण की गम्भीरता पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितिश ठाकुर (रा0पु0से0) एवं नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का (रा0पु0से0) को अवगत कराया, प्राप्त के निर्देश के विवेचना कार्यवाही कर आरोपी की पता तलाश हेतु क्षेत्र में मुखबीर को सक्रिय किया गया,लिए। मुखबीर से प्राप्त सूचना के आधार आरोपीयान एक नाबालिक बालक सहित आरोपी 01. संजू कुमार पटेल पिता रामचरण पटेल उम्र-20 वर्ष सा0 राताखार दुर्गा चौक के पास थाना कोतवाली जिला कोरबा 02. राहुल सारथी पिता गोर्वधन सारथी उम्र-19 वर्ष सा0 मुड़ापार जंगल कॉलोनी कोरबा चौकी मानिकपुर थाना कोतवाली जिला कोरबा से चोरी गये समस्त मशरूका को विधिवत् बरामद किया जाकर आरोपीयान को अपराध क्रमांक-717/2025 धारा-331 (4), 305(1),3 (5) बी0एन0एस0 के तहत विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया । उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में निरीक्षक एम0बी0 पटेल थाना प्रभारी कोतवाली के कुशल मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी नवीन पटेल के नेतृत्व में, सउनि कुलदीप तिवारी,आर0 गंगा राम डांडे, प्रदीप राठौर, संजय रात्रे, संजय सिंह एवं अन्य स्टाफ के द्वारा की गयी कार्यवाही ।

बिजली उपभोक्ता से ऊर्जादाता बने सेवकराम

-संवाददाता-
कोरिया,06 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।
सूर्य की किरणें अब सिर्फ रोशनी ही नहीं,बल्कि आमजन की जिंदगी में नई ऊर्जा और आय का साधन भी बन रही हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ने बैकुण्ठपुर के निवासी श्री सेवक राम राजवाड़े की जिंदगी में बड़ा बदलाव ला दिया है। जहां कभी बढ़ते बिजली बिल उनकी चिंता बढ़ाते थे, वहीं अब वे बिजली उपभोक्ता से ऊर्जादाता बन गए हैं।

शून्य बिजली बिल- श्री राजवाड़े ने अपने घर की छत पर 3 केवी का सोलर प्लांट स्थापित कराया है। इस पर 78 हजार की सब्सिडी मिली है। परिणामस्वरूप,पहले जहां हर महीने हजारों रुपये का बिजली बिल चुकाना पड़ता था, वहीं अब उनका बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है।

आसान प्रक्रिया, बड़ा लाभ-श्री राजवाड़े बताते हैं कि योजना की आवेदन प्रक्रिया बेहद सरल रही। एक बार आवेदन करने के बाद पूरी प्रक्रिया स्वतः पूरी हो गई और सोलर पैनल समय पर उनके घर पर स्थापित कर दिया गया। उन्हें किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। उनका कहना है कि इस योजना ने उन्हें न केवल बिजली बिल से मुक्ति दिलाई, बल्कि ऊर्जा उत्पादक बनने का अवसर भी दिया है।

सरकार का प्रयास और लोगों की भागीदारी-श्री राजवाड़े ने केंद्र और राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डबल सब्सिडी ने इस योजना को आमजन तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है। इससे लोग जागरूक होकर सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

ऊर्जा सुरक्षा में सहयोग- पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना से न केवल घरेलू खपत व बिजली बिल की समस्या का समाधान हो रहा है, बल्कि उपभोक्ता ऊर्जादाता बनकर अतिरिक्त बिजली उत्पादन कर राज्य की ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूत कर रहे हैं।

स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र में बुजुर्गों को मिलने लगी राहत

फिजियोथेरेपी और पंचकर्म कराने पहुंच रहें है मरीज

-संवाददाता-
कोरिया,06 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के दिन जिला अस्पताल परिसर में प्रदेश का पहला बुजुर्ग स्वास्थ्य एवं देखभाल केंद्र का शुभारंभ हुआ था। इस स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र में अभी तक 11 बुजुर्ग अलग-अलग परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए पहुंचे है।

जानकारी के मुताबिक 2 बुजुर्गो ने पंचकर्म और 9 बुजुर्गो ने फिजियोथेरेपी कराएं है। स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र के शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा था कि उम्र बढ़ने पर घुटनों, एड़ियों और अन्य रोगों से पीड़ित होना सामान्य बात है। उन्होंने कहा, हम सबको इस अवस्था से गुजरना है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री जी की मंशा अनुरूप यह बुजुर्ग देखभाल केंद्र शुरू किया गया है। यह प्रदेश का पहला केन्द्र है, जहां बुजुर्गों को अस्पताल में लाइन लगने की जरूरत नहीं है, उन्हें एक ही छत के नीचे जांच,उपचार,दवाई और फिजियोथेरेपी और पंचकर्म जैसी सुविधाएं मिलने लगा है। बुजुर्ग स्वास्थ्य केंद्र में अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें ट्राइसाइकिल,बैलेंस बोर्ड,फुट मसाजर,पैरेलल बार,स्टेयर क्लाइंबिंग,ट्रेडमिल,मसाज चेयर,ट्रैक्शन और वैक्स बाथ जैसी सुविधाएं शामिल हैं। यहां फिजियोथेरेपी और पंचकर्म जैसी सेवाएं भी बुजुर्गों को मिलने लगी है।

न्यायालय नायब तहसीलदार, तहसील भैयाथान,जिला-सूरजपु (छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ब-121 वर्ष /प ह न 08

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जय सिंह पिता स्व: सुन्दर सिंह जाति गोड निवासी ग्राम शिवप्रसाद नगर.08 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्री पूनम सिंह का जन्म दिनांक 22.03.2008 को ग्राम शिव प्रसाद नगर में हुई है, अज्ञानता वश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्री पूनम सिंह का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत शिवप्रसाद नगर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 13/10/25 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 26/09/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान, जिला-सूरजपुर

न्यायालय नज़ूल अधिकारी अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-6-अ/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भुवन सिंह अमूले आ0 भागवत सिंह अमूल जाति क्षत्रिय निवासी दर्रीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला दर्रीपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 10 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3769/1 रकबा 0.024 हे0 भूमि के नजूल अभिलेखों में आवेदक का नाम त्रुटिपूर्ण रूप से त्रिभुवन सिंह अमूले दर्ज हो जाने के कारण उसे सुधार कर भुवन सिंह अमूल दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेंटनेन्स खसरा, बिकय पत्र की छायाप्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 15/10/ 2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक:- 19/ 9/ 2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमरमनी पत्नी राजेश कुमार पुत्री मनोहर एक्का जाति उरांव निवासी अजिरमा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सरगंवा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 265/3, रकबा 0.040 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, ले-आउट, पंचायत प्रस्ताव, सेटलमेन्ट, रि-नम्बरींग सूची रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 16/10/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/10 /2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जयेश कुमार गुप्ता आ0 जवाहर लाल गुप्ता जाति रौनियार निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 2201 / 27 रकबा 0.119 हे भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 16/10/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/10 /2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि बनकर कोरिया जिले के कूड़ेली,सरभोका पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री,स्वर्गीय फलेंद्र सिंह की प्रतिमा का किया अनावरण

कोरिया जिले के द्वितीय जिला पंचायत अध्यक्ष कद्दावर आदिवासी नेता स्वर्गीय फलेंद्र सिंह की स्मृति में कूड़ेली,सरभोका में किया गया उनके प्रतिमा का अनावरण,प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महराज भी हुए उपस्थित,स्वर्गीय फलेंद्र सिंह को दी श्रद्धांजलि

-राजन पांडेय-
बैकुंठपुर,06 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के दूसरे जिला पंचायत अध्यक्ष रहे कद्दावर आदिवासी नेता स्वर्गीय फलेंद्र सिंह की तृतीय पुण्यतिथि अवसर पर कोरिया जिले के ग्राम कूड़ेली,सरभोका चौक पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया और उनके जीवन और कार्यशैली साथ ही उनकी राजनीतिक सुचिता से सीख लेने की शपथ ली गई,इस अवसर पर वैसे तो मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री को शामिल होना था लेकिन मुख्यमंत्री के अचानक दिल्ली जाने के कार्यक्रम के कारण जब उनका आगमन स्थगित हुआ प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री उनके प्रतिनिधि बतौर मुख्य अतिथि के रूप से कार्यक्रम में शामिल हुए जहां उन्होंने स्वर्गीय फलेंद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महराज भी पहुंचे और उन्होंने भी स्वर्गीय फलेंद्र सिंह की तृतीय पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम स्वर्गीय फलेंद्र सिंह के परिवार की तरफ से आयोजित था जिसमें जिले, संभाग सहित राज्यभर से अतिथि शामिल हुए।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल ने श्रद्धांजलि उपरांत आयोजित सभा को संबोधित करते हुए स्वर्गीय फलेंद्र सिंह के जीवन वृत्तांत का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया और उन्होंने बतलाया कि स्वर्गीय फलेंद्र सिंह क्यों लोकप्रिय थे क्यों वह जननेता कहे जाते थे,स्वास्थ्य मंत्री ने बतलाया कि राजनीति के आरंभिक काल में उन्हें स्वर्गीय फलेंद्र सिंह से काफी कुछ सीखने को मिला,एक ही जिले में रहते हुए राजनीतिक क्षेत्र में मुलाकात के दौरान स्वर्गीय फलेंद्र सिंह कभी ऐसा महसूस नहीं होने दिया करते थे कि उनसे कोई छोटा है, वह सभी से खुद को छोटा साबित करते हुए ऐसा व्यवहार प्रस्तुत करते थे कि उनसे सहज ही आत्मीयता का भाव कायम हो जाया करता था, जिला पंचायत अध्यक्ष बतौर उनके कार्यकाल का भी स्वास्थ्य मंत्री ने जिक्र किया और बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े से उनकी मित्रता का भी उल्लेख किया,स्वर्गीय फलेंद्र सिंह ग्राम स्तर से जिला बाद में प्रदेश स्तर की राजनीति में एक पहचान स्थापित कर सके यह उस समय आसान नहीं था जो उन्होंने कर दिखाया था,उनके विभिन्न जीवन स्मरण को स्वास्थ्य मंत्री ने याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वास्थ्य मंत्री ने स्वर्गीय फलेंद्र सिंह अमर रहें,जब तक सूरज चांद रहेगा स्वर्गीय फलेंद्र सिंह का नाम रहेगा के नारों के साथ अपना वक्तव्य समाप्त किया।

स्वास्थ्य मंत्री मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि स्वरूप शामिल हुए कार्यक्रम में,लगातार मुख्यमंत्री का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं श्याम बिहारी जायसवाल-

स्वर्गीय फलेंद्र सिंह की तृतीय पुण्यतिथि अवसर पर आयोजित उनके प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में प्रदेश के मुखिया को भी शामिल होना था,प्रदेश के मुख्यमंत्री का अचानक दिल्ली जाने का कार्यक्रम तय हुआ और इस दौरान उनका इस कार्यक्रम में आना स्थगित हो गया,स्वास्थ्य मंत्री ने इस विषय से अवगत कराते हुए स्वर्गीय फलेंद्र सिंह को मुख्यमंत्री की तरफ से भी श्रद्धांजलि अर्पित की,उन्होंने बतलाया कि सारी तैयारियों के बाद मुख्यमंत्री नहीं पहुंच सके उन्हें अनिवार्य बैठक के लिए दिल्ली जाना पड़ा इसलिए मैं दोहरी भूमिका में उपस्थित हुआ हूं जिसमें एक तरफ मुख्यमंत्री जी का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं और एक तरफ अपने जननेता का अपने क्षेत्र के एक अमर व्यक्तित्व को श्रद्धासुमन अर्पित कर रहा हूं स्वास्थ्य मंत्री ने भावुक होते हुए कार्यक्रम में उद्बोधन दिया। स्वास्थ्य मंत्री लगातार मुख्यमंत्री का प्रतिनिधित्व ऐसे कार्यक्रमों में कर रहे हैं जहां वह नहीं पहुंच पा रहे हैं और जिससे समझा जा सकता है कि स्वास्थ्य मंत्री आज सरकार में कितने विश्वस्त और ऊर्जावान माने जा रहे हैं।

स्वर्गीय फलेंद्र सिंह का जीवन वृत्तांत, स्व. फलेन्द्र कुमार सिंह जी का संक्षिप्त जीवन परिचय

ग्राम पंचायत सरभोका के गौटिया परिवार में जन्म लिए स्व. फलेन्द्र सिंह जी का जन्म 15 जून 1950 को हुआ था। इनका प्राथमिक एव माध्यमिक शिक्षा सरभोका में हुआ। तत्पश्चात हायर सेकण्डरी शा. रामानुज उ.मा. विद्या, बैकुन्ठपुर में सम्पन्न हुआ। उच्च शिक्षा अम्बिकापुर से पूरा किये। विद्यार्थी जीवन के दौरान ही पिता जी का आकास्मिक निधन हो गया, इसके बाद वे जनभावनाओं के अनुरूप सर्वप्रथम 1990 में ग्राम पंचायत सरभोका के निर्विरोध रुप से सरपंच निर्वाचित हुए। यहाँ से ही उनके सामाजिक व राजनीति जीवन का शुरुआत हुई। अपने आचरण एवं व्यवहार से बढ़ते जनाधार एवं जनता के मांग के कारण जनपद पंचायत के अध्यक्ष बने। इसके पश्चात मंडी अध्यक्ष भी रहे, और अपने सरल व्यक्तित्व एवं जन सेवा के कारण प्रथम बार 2000 में जिला पंचायत सदस्य सोनहत क्षेत्र से निर्वाचित हुए। द्वितीय बार निर्वाचित होने पर 2005 में जिला पंचायत के अध्यक्ष बने तथा इसी कार्यकाल के दौरान प्रदेश में अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य मनोनित किये गये, आपके जिला पंचायत अध्यक्ष के कार्यकाल से ही स्वास्थ्य में गिरावट के बावजूद भी लगातार जन सेवा करते रहे, लोगों को प्रेरित करते रहे उनके सरल और सहज स्वभाव ही उनके लोकप्रियता के कारण रहा जनता के बीच गहरी पैठ बनी जनता का स्नेह,प्यार मिला जिसके कारण ही आज पर्यन्त तक ग्राम पंचायत के सरपंच स्व. फलेन्द्र सिंह जी के परिवार से ही बनते आ रहे हैं। 2010 के पश्चात स्वास्थ्यगत कारण से राजनीति एवं जनसेवा के क्षेत्र में सक्रियता व भागीदारी कम होने लगी और अपने तीन पुत्र एवं तीन पुत्रियों में से प्रथम पुत्र रवीन्द्र सिंह जी, पुत्री अन्जुला सिंह जो पूर्व विधायक चन्दन सिंह की बहु हैं। पुत्री मन्जुला सिंह जो कि बिजली विभाग के एम डी आदरणीय भीम सिंह जी की पत्नी हैं। पुत्र अखिलेश सिंह जो कि पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन में लगे रहते हैं, वहीं छोटा पुत्र युवक सिंह जनप्रतिनिधि के रूप में जनसेवा का कार्य करते हैं। छोटी पुत्री अर्चना सिंह शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं। इस प्रकार स्व. श्री फलेन्द्र सिंह जी ने सम्पूर्ण परिवार को एक व्यवस्थित जीवन प्रदान करते हुए भरा पूरा परिवार छोड़कर दिनांक 06 अक्टूबर 2022 को पंचतत्व में विलीन हो गये।

प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में यह लोग हुए शामिल

स्वर्गीय फलेंद्र सिंह की तृतीय पुण्यतिथि अवसर पर आयोजित उनकी प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महराज,बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े,वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैकरा,जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया मोहित राम पैकरा,भाजपा जिलाध्यक्ष कोरिया देवेंद्र तिवारी,एमसीबी जिलाध्यक्ष चंपा देवी पावले, उपाध्यक्ष जिला पंचायत कोरिया वंदना राजवाड़े,पूर्व विधायक भरतपुर सोनहत गुलाब कमरों,नगर पंचायत अध्यक्ष पटना गायत्री सिंह,नगर पंचायत उपाध्यक्ष पटना गौरव अग्रवाल,पूर्व जिला पंचायत में अध्यक्ष यवत सिंह,पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष ध्रूपद चौहान, वेदांती तिवारी,शैलेश शिवहरे, कृष्ण बिहारी जायसवाल, योगेश शुक्ला, बिहारी लाल राजवाड़े, शैलेंद्र सिंह, अजय सिंह, रामलखन पैकरा, कमल कांत साहू, विजय सिंह, सुनील सिंह, सहित विभिन्न राजनीतिक क्षेत्र सामाजिक क्षेत्रों के निर्वाचित साथ ही सक्रिय लोग शामिल हुए,इस दौरान आसपास के ग्रामों से हजारों की संख्या में लोग आयोजन स्थल पर पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की, कार्यक्रम में जिले के शिक्षकों की भी सक्रिय भूमिका नजर आई और यह भूमिका स्वर्गीय फलेंद्र सिंह के प्रति उनकी श्रद्धांजलि थी,शिक्षकों के अनुसार उनकी सेवाएं पूर्व में पंचायत विभाग के अधीन थीं और जिला पंचायत अध्यक्ष रहते हुए स्वर्गीय फलेंद्र सिंह ने शिक्षकों के लिए हर समय अपने दरवाजे खुले रखे थे और उनकी दुख तकलीफों में वह शामिल होकर उन्हें ढांढस बंधाया करते थे,शिक्षकों के अनुसार उनके शासकीयकरण की लड़ाई में स्वर्गीय फलेंद्र सिंह ने कई बार समर्थन प्रदान किया था,शिक्षक नेता अशोक लाल कुर्रे ने स्वर्गीय फलेंद्र सिंह को शिक्षकों का दुख सुख का साथी निरूपित किया और उन्हें याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि प्रदान की।

जिले के सभी राशन कार्ड धारकों ई-केवाईसी कराना हुआ अनिवार्य, अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तक

-संवाददाता-
एमसीबी,06 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

जिले के समस्त राशन कार्ड धारियों को सूचित किया जाता है कि सभी राशन कार्ड धारियों के सभी सदस्यों को ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। जिले में कुल 1,15,481 राशन कार्ड प्रचलित हैं जिनमें 3,63,327 सदस्य पंजीकृत हैं। इनमें से 3,03,439 सदस्यों का ई-केवाईसी पूर्ण हो चुका है जबकि शेष 59,888 सदस्यों का ई-केवाईसी किया जाना अभी बाकी है। प्राप्त पत्ता एवं वीडियो कांफ्रेंसिंग के निर्देशों के अनुसार सभी शेष सदस्यों का ई-केवाईसी 15 अक्टूबर 2025 तक अनिवार्य रूप से किया जाना है। जिन सदस्यों का ई-केवाईसी पूर्ण नहीं होगा,वे राशन कार्ड से प्राप्त होने वाले लाभ से वंचित हो सकते हैं। उच्च कार्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का ई-केवाईसी करवाने की आवश्यकता नहीं है। शासन ने ई-केवाईसी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए मेरा ईकेवाईसी मोबाइल एप लॉन्च किया है जिसके माध्यम से हितग्राही केवल अपना चेहरा स्कैन करके ई-केवाईसी पूर्ण कर सकते हैं और इसके लिए किसी पीडीएस दुकान में जाने की आवश्यकता नहीं है। यह एप गूगल प्ले स्टोर से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। राशन कार्ड की ई-केवाईसी करना सभी राशन कार्ड हितग्राहियों के लिए अनिवार्य कर दिया गया है और यह प्रक्रिया मोबाइल फोन से घर बैठे पूरी की जा सकती है। मेरा ईकेवाईसी ऐप शासन द्वारा विशेष रूप से राशन कार्ड धारकों के लिए आधार आधारित चेहरा प्रमाणीकरण की सुविधा के लिए बनाया गया है। इसके साथ आधार फेस आरडी ऐप भी इंस्टॉल करना आवश्यक है।

ई-केवाईसी की प्रक्रिया के लिए सबसे पहले प्ले स्टोर से मेरा ईकेवाईसी और आधार फेस आरडी दोनों ऐप इंस्टॉल करें। ध्यान रहे कि आधार फेस आरडी ऐप इंस्टॉल होने के बाद मोबाइल की ऐप लिस्ट में नहीं दिखेगा लेकिन मेरा ईकेवाईसी ऐप के माध्यम से ई-केवाईसी करते समय स्वतः सक्रिय हो जाएगा। ई-केवाईसी करने के लिए मेरा ईकेवाईसी ऐप खोलें, राज्य का चयन करें और लोकेशन वेरीफाई करें। इसके बाद 12 अंकों का आधार नंबर दर्ज करें और ओटीपी जनरेट करें। आपके आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर भेजा गया ओटीपी व कैप्चा भरकर सबमिट करने पर आपके राशन कार्ड से जुड़े विवरण स्क्रीन पर प्रदर्शित होंगे। इसके बाद फेस ईकेवाईसी विकल्प पर क्लिक करें और आधार नंबर उपयोग से संबंधित सहमति को स्वीकार करें। अब आधार फेस आरडी ऐप काम करना शुरू कर देगा। फेस ऑथेंटिकेशन के लिए कैमरे के सामने उचित लाइटिंग व्यवस्था में बैठें, कैमरे की ओर देखें और निर्देशानुसार आँख झपकाएं। आई एम अवेयर पर टिक कर प्रोसीड करें। स्क्रीन पर लाल घेरे के हरा होते ही आँख झपकाने पर प्रमाणीकरण पूर्ण हो जाएगा। सफल प्रमाणीकरण के बाद ईकेवाईसी रजिस्टर्ड सक्सेसफुली का संदेश तारीख और समय सहित प्रदर्शित होगा।

गांधी जयंती पर नेशनल फ्रंट इंडियन ट्रेड यूनियन की बैठक

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दीपक जायसवाल ने ठेका श्रमिकों के हक की आवाज बुलंद की...

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,06 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

गांधी जयंती के अवसर पर नेशनल फ्रंट इंडियन ट्रेड यूनियन की एक विशेष बैठक आयोजित की गई,जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दीपक जायसवाल उपस्थित रहे। बैठक में श्रमिकों से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर चर्चा हुई और प्रबंधन से ठेका श्रमिकों को न्याय दिलाने की मांग रखी गई।

बोनस से वंचित ठेका श्रमिक

डॉ. जायसवाल ने कहा कि एसईसीएल प्रबंधन कोलियरी कामगारों को दुर्गा पूजा और दीपावली के अवसर पर 1.03 लाख रुपए बोनस के रूप में प्रदान किया गया है,लेकिन विडंबना यह है कि ठेका श्रमिक,जो उत्पादन और उत्पादकता का मुख्य आधार हैं,उन्हें आज भी सालाना बोनस से वंचित रखा गया है। उन्होंने कहा कि सौभाग्य की बात है कि हसदेव क्षेत्र में इस समय दो-दो मंत्री मौजूद हैं, और हमें विश्वास है कि ठेका श्रमिकों के साथ जो अन्याय हो रहा है मंत्रियों द्वारा ठेकेदारी मजदूर के न्याय के लिए कदम उठाया जाएगा।

सीएमपीएफ/ईपीएफ कटौती का विवरण मांगा

डॉ. जायसवाल ने जोर देकर कहा कि सम्पूर्ण एसईसीएल में ठेका श्रमिकों की अथक मेहनत से ही उत्पादन लक्ष्य पूरे होते हैं। उनके वेतन से ईपीएफ और सीएमपीएफ की कटौती तो होती है, लेकिन इसकी सही जानकारी उन्हें उपलब्ध नहीं कराई जाती।

इस पर उन्होंने मांग की कि-

1. सभी श्रमिकों को सीएमपीएफ/ईपीएफ कटौती का स्पष्ट विवरण दिया जाए।
2. दीपावली से पूर्व प्रत्येक ठेका श्रमिक को 15,000 रुपए सालाना बोनस दिया जाए।

एसईसीएल आवासीय समस्या पर सवाल

बैठक में एसईसीएल मकानों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। डॉ. जायसवाल ने कहा कि एसईसीएल में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी मकानों पर कब्जा जमाए हुए हैं, जबकि 40-42 साल सेवा देने वाले कामगार जब सेवानिवृत्त होते हैं तो उनसे मकान खाली कराने के नाम पर लाखों रुपए रोक लिए जाते हैं और उन पर एफईआर तक दर्ज कर दी जाती है। उन्होंने मांग रखी कि इस पर रोक लगाते हुए आवास उन्हीं कामगारों को आवंटित किए जाएं,जैसा कि अन्य कंपनियों (जैसे बीएचईएल) में किया गया है।

पुराने क्वाटर और ठेका शोषण का मुद्दा

उन्होंने कहा कि वर्षों से कंपनी के खंडहर क्वार्टरों में रह रहे रिटायर्ड कामगारों और उनके परिवारों को बीएचईएल की तर्ज पर मकान उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही,उन्होंने चेतावनी दी कि एसईसीएल में ठेकेदारों द्वारा किया जा रहा शोषण तुरंत बंद होना चाहिए,अन्यथा श्रमिक संगठन आंदोलन करने पर बाध्य होंगे।

बेरोजगारी पर चिंता

प्रदेश की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए डॉ. दीपक जायसवाल ने कहा कि इस जिले में न तो कोई बड़ा उद्योग-धंधा है, न मेडिकल कॉलेज और न ही उच्च शिक्षण संस्थान। परिणामस्वरूप,शिक्षित युवा बेरोजगार हैं। उन्होंने घोषणा की कि आने वाले समय में बेरोजगारों का एक विशाल सम्मेलन आयोजित किया जाएगा,तभी उनकी समस्याओं का निराकरण संभव होगा। इस प्रकार बैठक में श्रमिकों,ठेका मजदूरों और बेरोजगारों की समस्याओं को केंद्र में रखते हुए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए और एसईसीएल प्रबंधन व सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की गई। इस अवसर पर अहमद हुसैन क्षेत्रीय अध्यक्ष, छोटेलाल वर्मा, कमल वैश्य, बैजनाथ सेन, नासिर अली एवं अन्य पदाधिकारी गण शामिल रहे।

पानी की बोतल बेची, 25 रुपये कमाता था पर खुद को कम नहीं समझा : ऋषभ शेट्टी

क्लैपर बॉय से एक्टर–डायरेक्टर बनने के सफर में ऋषभ शेट्टी के करियर में कड़े संघर्ष के कई दौर आए,मगर कलाकार बनने का उनका जज्बा कभी भी धूमिल नहीं हुआ। सहायक निर्देशक और एक–दो सीन वाली भूमिकाएं करने वाले ऋषभ ने गुजारे के लिए छोटे–बड़े सभी काम किए और आखिरकार उनकी किस्मत का सितारा चमका कांतारा की सुपर सक्सेज से...

एक अदाकार के रूप में आपकी यात्रा के बारे में बात करूं,तो उसमें भी कई उतार-चढ़ाव और संघर्ष रहा?

हर किसी को अपने हिस्से का संघर्ष तो करना ही पड़ता है। खास तौर पर मैं अगर आर्ट फॉर्म की बात करूं, तो आप उसे नहीं चुनते बल्कि वो आपको चुनता है। आपको यहां तक पहुंचने के लिए एक प्रक्रिया से तो गुजरना ही पड़ता है। मैं अपने संघर्ष को एक प्रोसेस मानता हूं। ये सच है कि मैंने छोटे-बड़े सभी काम किए हैं। मैं पानी की बोतलें बेचा करता था। मैंने रियल एस्टेट और होटल में भी काम किया। इंडस्ट्री में मैंने क्लैपर बॉय के रूप में शुरुआत की। कई छोटे-छोटे रोल्स किए, मगर मैंने कभी किसी काम को कमतर नहीं समझा। अपनी पहली कमाई आज भी याद है मुझे। पानी की बोतल बेच कर मैंने 25 रुपए कमाए थे। मैं एक बड़ी मैडम के घर पानी पहुंचाने गया था और उस काम के मुझे 25 रुपए मिले थे। उस वक्त पच्चीस रुपए भी बहुत बड़ी रकम लगी थी मुझे।

आप एक ऐसे कलाकार हैं, जो परिवार को साथ लेकर चलने में यकीन रखते हैं?

बिलकुल, क्योंकि परिवार नहीं होगा, तो मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं होगा। मेरी पत्नी प्रगति कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं। इस पार्ट वन और टू की कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग उन्होंने ही की है। पार्ट वन रहा हो या टू वे पूरी तरह से मेरी इमोशनल स्ट्रेंथ रहीं। खतरनाक एक्शन सीन्स के दौरान वे लगातार भगवान से प्रार्थना करती थीं। उन्हें पूरी यूनिट की चिंता रहती थी। शूटिंग के दौरान मैं महीनों तक घर नहीं जा पाता था, क्योंकि हमें लगातार शूटिंग करनी होती थी, ऐसे समय में मैं लोकेशन के आस-पास की जगहों या होटल्स में ठहरता था ताकि अगले दिन समय पर शूटिंग में पहुंच सकूं। एक एक्टर और निर्देशक के रूप में कांतारा मेरे लिए एक एग्जॉस्ट करने वाली फिल्म रही है, ऐसे में भावनात्मक रूप से उन्होंने ही मुझे संभाला। शूटिंग दौरान वे घर में बच्चों की देखरेख भी कर रही थीं और मुझसे मिलने शूटिंग पर भी आया करती थीं।

आज दर्शक हर भाषा में कॉन्टेंट देख रहा है,मगर भाषा के नाम पर जो विवाद पैदा किए जाते हैं, उनके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

हमारी डायवर्सिटी हमारी सबसे बड़ी ताकत है और इसे समझाना होगा। तभी तो हमारे करेंसी नोट पर कोई एक भाषा नहीं होती। हमारे नोट पर जितनी भाषाएं हैं,असल में हमारे पास उससे भी कहीं अधिक लैंग्वेज हैं। यही भारत की पहचान है। मेरा मानना है कि भाषा पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। हम सभी को एक-दूसरे की भाषाओं को सम्मान देना चाहिए। हमारी मातृभाषा हमारे चरित्र की परिचायक है। हम जब सामने वाले की भाषा को इज्जत देंगे, तभी हमारी भाषा को रिस्पेक्ट मिलेगी।

कांतारा की अभूतपूर्व सफलता के बाद कांतारा चैप्टर 1 को लेकर कितना दबाव महसूस कर रहे हैं?

दबाव तो मैं महसूस नहीं कर रहा,मगर हां एक उत्साह जरूर फील कर रहा हूं,क्योंकि कांतारा को लोगों ने इतना ज्यादा प्यार दिया कि मुझे इस फिल्म के जरिए पैन इंडिया के दर्शकों तक पहुंचना पड़ा। अब हमें अपने प्रयास ज्यादा मजबूत करने पड़े हैं और वो हमारी पूरी टीम ने किया है। हम लोग दबाव से ज्यादा रिस्पॉन्सिबिलिटी महसूस कर रहे हैं। लोग अक्सर पूछते हैं कि मूल फिल्म का बीज मुझे कहां से मिला, तो मैं यही कहूंगा,मेरे गांव,घर और हमारे देवता से मुझे प्रेरणा मिली। हम उस दैवीय प्रक्रिया और शक्ति यकीन करते हैं। हमारे गांव की दंतकथाओं ने मुझे बहुत इंस्पायर किया कि मैं उन्हें सिनेमा में लाने को उत्सुक हो उठा। मैं कर्नाटक के कराड़ी गांव से हूं और हमारे गांवों की संस्कृतियों में अनगिनत कहानियां हैं। मैंने उन्हीं को आधार बनाया। मुझे लगता है, हम अपनी संस्कृति और परंपरा को एंटरटेनमेंट फैक्टर के साथ परोसें, तो वो भी एक सेवा की तरह होगी। हमारी फिल्म मानव और प्रकृति के संघर्ष पर आधारित है।

अपनी पहली फिल्म कांतारा से पैन इंडिया स्टार का दर्जा हासिल करना कैसा लगता है?

सच कहूं, तो मैं इन बातों को नहीं समझता। मुझे तो यही सब जिम्मेदारी लगती है। मुझे लगता है कि मुझे यदि देश भर के लोग पसंद कर रहे हैं,तो मुझे ज्यादा जिम्मेदार होने की जरूरत है। मुझे और अधिक कोशिश करनी होगी कि मैं लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरूं। सफलता और तारीफ हासिल करने के बाद मुझे लगता है कि मेहनत डबल हो जाती है।

आपने फिल्म में एक्टर-डायरेक्टर की दोहरी जिम्मेदारी निभाई है,तो संतुलन कैसे स्थापित करते हैं?

इसका श्रेय मैं अपनी टीम को देना चाहूंगा। चाहे वो मेरे राइटर्स की टीम हो , प्रोड्यूसर हों या कैमरामैन, मैं अगर कोई एक आइडिया पिच करता हूं, तो हर कोई मेरा साथ देने को तैयार हो जाता है। हम साथ मिलकर आईडिया एक्स्प्लोर कर लेते हैं। अब जैसे इस फिल्म की मूल कहानी हमारे देव कोला और लोक कथाओं से प्रेरित थी। जब इस कहानी का विचार आया तो सभी को भा गया। मुझे लगता है, किसी भी फिल्म की सफलता का क्रेडिट टीमवर्क को जाता है।

कन्नड़ की चौथी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बनी कांताराः चैप्टर-1

जल्द हो सकती है 300 करोड़ बॉक्स ऑफिस क्लब में शामिल

साल 2022 की फिल्म कांतारा की प्रीक्वल फिल्म कांताराःचैप्टर 1,2 अक्टूबर को रिलीज हुई है। ऋषभ शेट्टी की ये फिल्म महज 3 दिनों में 200 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है। शुरुआती कमाई देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि ये फिल्म जल्द ही 300 करोड़ क्लब में शामिल हो सकती है, जिससे कन्नड़ फिल्म केजीएफ का भी रिकॉर्ड टूट जाएगा। करीब 125 करोड़ रुपए के बजट में बनी ये कन्नड़ फिल्म पहले वीकेंड में 235 करोड़ कमाई कर चुकी है।

कन्नड़ सिनेमा की चौथी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बनी : रिलीज के महज चौथे दिन ही कांताराःचैप्टर- 1 कन्नड़ सिनेमा की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। हालांकि फिलहाल ये फिल्म केजीएफ-2 और कांतारा (2022) की कमाई से दूर है। बॉक्स ऑफिस आंकड़ों को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि फिल्म जल्द ही कन्नड़ स्टार यश की फिल्म केजीएफ-1 का रिकॉर्ड तोड़ेगी, जिसने कुल 250 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। बताते चलें कि कांताराःचैप्टर-1 साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म कांतारा का प्रीक्वल है। फिल्म कांतारा,कन्नड़ सिनेमा की केजीएफ-2 के बाद दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। महज 16 करोड़ में बनी कांतारा ने 450 करोड़ की रिकॉर्ड कमाई की थी। वहीं केजीएफ-2 का कुल कलेक्शन 1250 करोड़ रुपए है। देखना होगा कि ये फिल्म इन फिल्मों को टक्कर दे पाती है या नहीं।

ऋतिक रोशन का अमेजन प्राइम वीडियो के साथ बड़ा दांव,गर्लफ्रेंड सबा आजाद को बनाएंगे स्टार

ऋतिक रोशन को पिछली बार फिल्म वॉर 2 में देखा गया था। हालांकि,उनकी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फेल हो गई थी। अब खबर है कि ऋतिक ओटीटी पर कदम रखने वाले हैं। इसके लिए उन्होंने अमेजन प्राइम वीडियो से हाथ मिलाया है। वो बतौर निर्माता एक वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं। इसी के साथ ऋतिक अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद पर बड़ा दांव खेलने वाले हैं। अलाया एफ और आशीष विद्यार्थी भी इस सीरीज का हिस्सा होंगे।

ऋतिक का बड़ा प्रोजेक्ट

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,ऋतिक अमेजन प्राइम वीडियो के लिए एक सीरीज बनाने वाले हैं। वो एचआरएक्स फिल्म्स के बैनर तले इस सीरीज का निर्माण कर रहे हैं। ये ऋतिक का एक बड़ा ओटीटी प्रोजेक्ट है, क्योंकि इस पर वो पिछले 3 साल से काम कर रहे हैं। अजितपाल सिंह इस सोशल थ्रिलर सीरीज के निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं, जो इससे पहले वेब सीरीज टब्बर के जरिए एक खूबसूरत कहानी दर्शकों के बीच पेश कर चुके हैं।

सबा को मिला ऋतिक का साथ

इस सीरीज के प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। इसकी शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू होगी। सबा के साथ अलाया एफ भी इसमें अहम भूमिका में हैं, वहीं आशीष विद्यार्थी विलेन बने हैं। ऋतिक का पूरा ध्यान फिलहाल प्रोडक्शन पर है, ताकि जो विजन इसके लिए उन्होंने सोचा था, वो हासिल किया जा सके। ये बतौर निर्माता ऋतिक की पहली सीरीज है। इसके बाद ऋतिक कृष 4 पर काम करेंगे, जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है।

सबा का करियर संवारेंगे ऋतिक

सबा अभिनेत्री होने के साथ ही गायिका भी हैं और म्यूजिक शो करती हैं। अभिनेत्री ने दिल कबड्डी जैसी कुछ फिल्में और रॉकेट बॉयज जैसी कई सीरीज की,लेकिन वो अब तक अपनी पहचान के लिए संघर्ष कर रही हैं। पिछली बार उन्हें वेब सीरीज क्राइम बीट में छोटी सी भूमिका में देखा गया था। अब आखिरकार ऋतिक ने सबा के करियर की डोर थाम ली है। अब देखना ये होगा कि सबा इस मौके को भुना पाएंगी या नहीं।

सबा के साथ अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में रहते हैं ऋतिक

ऋतिक ने जब से सबा को डेट करना शुरू किया, दोनों अक्सर ट्रोलिंग का शिकार होते हैं। सबा के साथ ऋतिक की जोड़ी कइयों को खटकती है। लोग उनकी जमकर खिंचाई करते हैं। हालांकि, सबा इस पर कई बार दो टूक जवाब भी दे चुकी हैं। दरअसल, सबा की उम्र 39 साल है,वहीं ऋतिक 51 साल के हैं। इस वजह से भी उन्हें ट्रोल किया जाता है। सबा और ऋतिक की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी।

खेल समाचार

वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन का निधन

75 साल की उम्र में ली आखिरी सांस,1975 वर्ल्ड चैंपियन टीम का हिस्सा थे...

नई दिल्ली,06 अक्टूबर 2025। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन का 75 साल की आयु में नॉर्थ त्रिनिदाद के वाल्सेन कस्बे में निधन हो गया। वह 1975 की वर्ल्ड चैंपियन टीम का हिस्सा थे। जूलियन ने 24 टेस्ट और 12 वनडे मैच खेले थे। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 68 विकेट लिए, जबकि 952 रन बनाए।

1975 वर्ल्ड कप फाइनल में नाबाद 26 रन बनाए थे...

1975 वर्ल्ड कप में जूलियन ने ग्रुप स्टेज में श्रीलंका के खिलाफ 20 रन देकर 4 विकेट लिए थे। इसके बाद जूलियन ने सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 27 रन देकर 4 विकेट लिए थे। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 37 बॉल पर नाबाद 26 रन की पारी भी खेली थी। इस टूर्नामेंट में उन्होंने एक आक्रामक ऑलराउंडर की ख्याति प्राप्त की। वह बाएं हाथ से सीम गेंदबाजी करके थे। वे स्ट्रोकप्ले और जानदार फील्डिंग के लिए भी जाने जाते थे।

अचानक इंटरनेशनल करियर खत्म हुआ : उन्होंने 1970 से 1977 तक इंग्लैंड की काउंटी टीम केंट के लिए भी खेला।

हालांकि,उनका इंटरनेशनल करियर तब रुक गया जब उन्होंने 1982-83 में साउथ अफ्रीका का दौरा किया।

उस वक्त साउथ अफ्रीका में रंगभेद चरम पर था। ऐसे समय में वह साउथ अफ्रीका का दौरा करने वाली बागी वेस्टइंडीज टीम का हिस्सा रहे। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो ने बयान जारी करते हुए कहा कि बर्नार्ड जूलियन को सम्मानित करते हुए हम उस दौर की घटनाओं को बहिष्कार के नजरिए से नहीं बल्कि समझ के साथ देखना चाहिए। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज हमेशा उनके योगदान को याद रखेगा। उन्होंने जो विरासत छोड़ी, वह सदा जीवित रहेगी।

1982-83 में क्या हुआ था : 1982-83 में वेस्टइंडीज की टीम साउथ अफ्रीका दौरे पर गई थी। उस समय साउथ अफ्रीका पर अपार्थाइड नीति के कारण अंतरराष्ट्रीय खेल बहिष्कार लागू था। जिस विंडीज टीम ने 1982-83 में साउथ अफ्रीका का दौरा किया वह वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड से मान्यता प्राप्त नहीं थी। बल्कि कुछ खिलाड़ियों ने निजी तौर पर बिना बताए करार करके यह दौरा किया।

क्रिकेट वेस्टइंडीज इस दुख की घड़ी में आपके परिजनों के साथ

उन्होंने आगे कहा कि बर्नार्ड जूलियन के परिवार, दोस्तों और प्रियजनों के प्रति हम अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। उनका निधन हमें याद दिलाता है कि उद्देश्य के लिए समर्पित जीवन हमें कभी नहीं छोड़ता। क्रिकेट वेस्टइंडीज इस दुख की घड़ी में आपके परिजनों के साथ है और हम आशा करते हैं कि बर्नार्ड को पता था कि जिस क्रिकेट परिवार को उन्होंने आकार देने में मदद की थी, वह उन्हें महत्व देता था और प्यार करता था। उन्हें यह जानकर शांति मिली होगी कि उनका योगदान हमेशा अमर रहेगा।

बोपन्ना,लुसियानो डार्डेरी और कोरेंटिन मौटे करेंगे टेनिस प्रीमियर लीग सीजन 7 की अगुवाई

नई दिल्ली,06 अक्टूबर 2025। टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) का सातवां सीजन इस साल 9 से 14 दिसंबर तक अहमदाबाद के गुजरात यूनिवर्सिटी टेनिस स्टेडियम में खेला जाएगा। यह सीजन भारतीय टेनिस के लिए एक ऐतिहासिक और रोमांचक उत्सव बनने जा रहा है,जिसमें भारत के दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना,विश्व नंबर 29 लुसियानो डार्डेरी (इटली), विश्व नंबर 38 कोरेंटिन मौटे (फ्रांस) और विश्व नंबर 39 एलेक्जेंड्रे मुलर (फ्रांस) जैसे दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। आगामी 9 अक्टूबर को मुंबई में होने वाली सीजन 7 की नीलामी के लिए आठों फ्रेंचाइज़ी अपनी टीमों को इन स्टार खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द तैयार करने में जुटी हैं। भारत के अनुभवी स्टार और दो बार के ग्रैंड स्लैम विजेता रोहन बोपन्ना, जिन्होंने पिछले साल अपना टीपीएल डेब्यू किया था, इस बार एसजी पाइपर्स बेंगलुरु टीम की ओर से खेलते नजर आएंगे। ग्रैंड स्लैम और एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी 45 वर्षीय बोपन्ना लीग के उस विज़न को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसमें भारतीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं का संगम दिखता है। इटली के लुसियानो डार्डेरी (विश्व रैंक 29) इस बार राजस्थान रेंजर्स से खेलेंगे, जबकि फ्रांस के कोरेंटिन मौटे (विश्व रैंक 38) गुरुग्राम ग्रैंड स्लैमर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं एलेक्ज़ेंड्रे मुलर (विश्व रैंक 39) गुजरात पैंथर्स से और आर्थर रिंडरकनेक (विश्व रैंक 54) हैदराबाद स्ट्राइकर्स से खेलेंगे। इसके

अलावा दामीर जुमहूर (बोस्निया और हर्जेगोविना, पूर्व विश्व रैंक 23, मौजूदा 67) यश मुंबई ईगल्स की अगुवाई करेंगे। अर्जेंटीना के टोमास मार्टिन एटचेवेरी (विश्व रैंक 58) जीएस दिल्ली एसेस से और चेक गणराज्य के युवा स्टार डालीबोर स्वर्शिना (विश्व रैंक 91) चेन्नई स्मैशर्स से खेलेंगे। अब अपने लगातार सातवें संस्करण में प्रवेश कर चुकी टेनिस प्रीमियर लीग भारत की सबसे सफल खेल प्रतियोगिताओं में से एक बन गई है। यह देश की केवल चौथी ऐसी लीग है जिसने सात सीजन का मुकाम हासिल किया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की सौजन्य भेंट

रायपुर,06अक्टूबर 2025(ए)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को अवगत कराया कि वर्ष 2025 छत्तीसगढ़ राज्य के गठन की रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने रजत जयंती वर्ष के विशेष अवसर पर राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों,जनकल्याण और सांस्कृतिक गौरव से जुड़े कार्यक्रमों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को छत्तीसगढ़ आगमन हेतु सादर आमंत्रित किया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने राज्य के सर्वांगीण विकास और जनकल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा प्रदेश की निरंतर प्रगति और समृद्धि की कामना की।

सीजीएमएससी खरीदी घोटाले की कीमत चुका रहे मरीज

पिछले दो साल से नहीं खुला दवाओं और उपकरणों के लिए टेंडर

» अस्पतालों में नहीं मिल रही दवाएं...

» अस्पतालों में दवाओं की कमी से मरीज परेशान

रायपुर,06अक्टूबर 2025(ए)। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कार्पोरेशन (सीजीएमएससी) में हुए खरीदी घोटाले की कीमत मरीजों को चुकानी पड़ रही है। घोटाला उजागर होने के बाद पिछले करीब दो वर्षों से दवाओं और उपकरणों की निविदाएं (टेंडर) नहीं खोली जा सकी हैं।

इसकी वजह से राज्य के अस्पतालों में पैरासिटामोल जैसी सामान्य और अति आवश्यक दवाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। मरीजों को बाहर से दवाएं खरीदनी पड़ रही हैं।

16 निविदाएं दो वर्षों से लंबित

सीजीएमएससी द्वारा दवा एवं औषधियों की खरीद के लिए जारी की गई कुल 16 निविदाएं दो वर्षों से लंबित हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि 614 दिन बीतने के बावजूद एक भी निविदा की 'कवर ए' तक नहीं खोली गई है।

इनमें से कई टेंडर 2023-24 और 2024-25 की अवधि के हैं और उनमें बार-बार पूर्व की कंपनियों से ही री-टेंडर किया जा रहा है। सबसे पुराने टेंडर को 614 दिन हो चुके हैं। इसके अलावा सबसे नए को 246 दिन हुए हैं। कुछ निविदाओं में 100 से अधिक दवा व उपकरण शामिल हैं।

दवाओं की कमी से मरीज परेशान

प्रदेश के अस्पतालों में पैरासिटामाल जैसी अहम दवाओं की कमी है। इसके अलावा मौसमी बीमारियों में उपयोग होने वाली दवाएं लोगों को बाहर से खरीदनी पड़ रही हैं। संवाददाता ने रायपुर जिला अस्पताल,पीएचसी,सीएचसी और हमर अस्पताल की पड़ताल की तो पाया कि ओपीडी में आने वाले मरीजों को लिखी जाने वाली दवाओं में से अधिकांश अस्पताल में उपलब्ध नहीं हैं,जबकि अस्पतालों में लोकल परचेजिंग के लिए अलग से बजट की व्यवस्था है। स्वास्थ्य मंत्री,श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा...जिन दवाओं और उपकरणों की निविदा लंबित है,उन्हें जल्द ही पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) से खरीदी की जा रही है।

क्वालिटी जांच में फेल फिर भी हो रही खरीदी

नई निविदाएं न होने के कारण सीजीएमएससी में पुराने टेंडर पर ही खरीदी हो रही है। बीते आठ माह में बिना नए टेंडर के तकरीबन 100 करोड़ रुपये की खरीदी हो चुकी है। चुनिंदा दवाओं का रेट अनुबंध डेढ़ साल पहले खत्म हो चुका है। सिर्फ नाइन एम फार्मा कंपनी से बिना नए टेंडर के 100 प्रकार की दवाएं खरीदी जा रही है, जबकि इसी कंपनी की आधा दर्जन गुणवत्ताहीन दवाएं सप्लाई करने के मामले सामने आ चुके हैं। इस कंपनी के प्रोडक्ट क्वालिटी जांच में फेल हो चुके हैं।

हजार करोड़ के समाज कल्याण घोटाले की जांच शुरू

सीबीआई अफसरों ने जब्त किये दस्तावेज

रायपुर,06अक्टूबर 2025(ए)। हाई कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने समाज कल्याण विभाग में हुए घोटाले की जांच शुरू कर दी है। सीबीआई की टीम ने आज संचालनालय में जाकर अफसरों से जानकारी ली और करीब 15 बैग में दस्तावेज जब्त किए हैं। हाईकोर्ट ने समाज कल्याण घोटाला प्रकरण में 15 दिन के भीतर दस्तावेजों को जब्त करने के भी निर्देश दिए थे।

जानकारी मिली है कि सीबीआई ने आज माना स्थित समाज कल्याण के दफ्तर में जाकर निःशक्तजन सोसायटी से जुड़े दस्तावेज की जानकारी ली। अफसरों ने करीब दो घंटे रूककर सारे दस्तावेज एकत्र किए हैं, और अपने साथ ले गए हैं।

गौरतलब है कि सीबीआई ने इस प्रकरण में पहले भोपाल स्थित दफ्तर में एफआईआर दर्ज किया था, और अब यहां केस ट्रांसफर कर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। इस पूरे घोटाले को करीब एक हजार करोड़ के होने का आरोप लगाया गया है। सीबीआई पहले भी काफी कुछ साक्ष्य जुटा चुकी है।

अधिकांश अफसर हो चुके हैं रिटायर

बताया जाता है कि जिन अफसरों की पदस्थापन के दौरान यह घोटाला हुआ है उस समय समाज कल्याण से जुड़े तमाम अफसर रिटायर हो चुके हैं,और इन्हें पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। पहले समाज कल्याण विभाग के रिटायर्ड अफसरों से पूछताछ की जाएगी जो कि निश्शक्तजन सोसायटी से जुड़े रहे हैं। इस प्रकरण में दो पूर्व सीएस विवेक ढांड, सुनील कुजूर के अलावा पूर्व एसीएस एमके राउत,और बीएल अग्रवाल,डॉ. आलोक शुक्ला सहित कई अफसरों के नाम हैं। इसके अलावा पूर्व मंत्री रेणुका सिंह,लता उसेंडी, और अनिला भेड़िया भी अलग-अलग समय में निश्शक्तजन संस्थान की पदेन चेयरमैन रह चुकी हैं। इन सबसे पूछताछ हो सकती है। सीबीआई की जांच शुरू होने के बाद एक बार फिर प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में हलचल मचने की संभावना है।

नौसेना के नए पोतों का नामकरण होगा छत्तीसगढ़ की नदियों के नाम पर...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके निवास पर सौजन्य मुलाक़ात की...

» प्रदेश में सेना भर्ती रैली का प्रस्ताव

» मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात के दौरान रक्षामंत्री ने जताई सहमति

नईदिल्ली/रायपुर,06 अक्टूबर 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके निवास पर सौजन्य मुलाक़ात की। बैठक में बिलासपुर एयरपोर्ट के विस्तार, रक्षा क्षेत्र के विकास,पूरे प्रदेश में सेना भर्ती रैलियों के आयोजन एवं नौसैनिक पोतों के नामकरण जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। इस अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को अवगत कराया कि बिलासपुर में रक्षा मंत्रालय की भूमि है। इस भूमि को उन्होंने बिलासपुर एयरपोर्ट के विस्तार के लिए उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने यहां रक्षा क्षेत्र से संबंधित विकासात्मक कार्य भी आरंभ करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि छत्तीसगढ़ में सेना में भर्ती होने के प्रति युवाओं में विशेष उत्साह है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं में अनुशासन, शारीरिक क्षमता और देशभक्ति की भावना है। इस आधार पर उन्होंने रक्षा मंत्री से आग्रह किया कि पूरे प्रदेश में विशेष सेना भर्ती रैलियों का आयोजन किया जाए, जिससे युवाओं को अपने ही प्रदेश में देश सेवा का अवसर मिल सके। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री के इस आग्रह का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार देश के हर कोने से योग्य युवाओं को सेना में जोडने् के लिए प्रतिबद्ध है।

3 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

गरियाबंद,06 अक्टूबर 2025(ए)। नक्सल उन्मूलन की दिशा में गरियाबंद पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। गरियाबंद-धमतरी-नुआपड़ा डिविजन में लंबे समय से सक्रिय 3 इनामी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 1 पुरुष और 2 महिला नक्सली शामिल हैं, जिनके खिलाफ ₹1-1 लाख का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पित नागेश, जैनी और मनीला अपने साथ देशी हथियार लेकर पहुंचे थे, जिसे उन्होंने पुलिस को सौंप दिया है।तीनों नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण किया है।

ईडी पर कारोबारी की प्रताड़ना की शिकायत,हाईकोर्ट का हस्तक्षेप

रायपुर,06 अक्टूबर 2025(ए)। रायपुर के कारोबारी हेमंत चंद्राकर ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी पर पूछताछ के दौरान मानसिक प्रताड़ना और मारपीट का आरोप लगाया है। इस मामले में सोमवार को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में सुनवाई हुई, जहां मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा की बेंच ने याचिकाकर्ता को मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराने और आरोपी अधिकारी के खिलाफ अलग से आवेदन देने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने मेडिकल जांच के लिए भी आवेदन प्रस्तुत करने को कहा है। हेमंत चंद्राकर का आरोप है कि ईडी उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और अन्य नेताओं के खिलाफ गवाही देने का दबाव बना रही थी। उन्होंने बताया कि 29 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से रात 8:30 बजे तक उनसे लंबी पूछताछ हुई, जिसमें शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न किया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईडी अधिकारी ने उनके परिवार पर भी अवैध दबाव बनाया।

ईडी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू और सौरभ पांडे, जबकि हेमंत की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा और गगन तिवारी ने पैरवी की। ईडी ने कोर्ट में कहा कि थर्ड डिग्री टॉर्चर का कोई मामला नहीं है। हाईकोर्ट ने ईडी के वकील का यह बयान रिकॉर्ड किया और मामले की आगे की सुनवाई के लिए प्रक्रियात्मक निर्देश दिए। इस प्रकरण ने छत्तीसगढ़ में राजनीतिक और कानूनी बहस को तेज कर दिया है, क्योंकि इसमें पूर्व मुख्यमंत्री समेत कई नामचीन नेताओं के नाम सामने लाए गए हैं।

प्रेस क्लब बिलासपुर ने दिवंगत पत्रकारों व परिजनों को दी श्रद्धांजलि

शोक सभा में उमड़ा पत्रकार परिवार..

बिलासपुर,06 अक्टूबर 2025(ए)। प्रेस क्लब बिलासपुर द्वारा सोमवार को ईदगाह ट्रस्ट भवन में दिवंगत वरिष्ठ पत्रकारों एवं उनके परिजनों की स्मृति में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस भावभीनी शोक सभा में प्रेस क्लब के सदस्यों सहित शहर के अनेक पत्रकारों ने शामिल होकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा में नईदुनिया के संपादक सुनील गुप्ता की माताजी स्व. श्रीमती शकुंतला गुप्ता, नवभारत के वरिष्ठ पत्रकार स्व. प्रमोद शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार विनय मिश्रा के पिताजी स्व. के.पी. मिश्रा, हरिभूमि के वरिष्ठ पत्रकार स्व. वीरेंद्र शर्मा, प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष स्व. रामगोपाल श्रीवास्तव की धर्मपत्नी श्रीमती आशालता श्रीवास्तव, तथा वरिष्ठ फोटोग्राफर पवन सोनी की धर्मपत्नी स्व. श्रीमती रेखा सोनी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने दिवंगत आत्माओं की शांति एवं शोक संतप्त परिवारों को संबल प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

पिकनिक मनाने गए 5 दोस्तों में से 3 मौत

हसदेव नदी में डूबे दूसरे युवक का शव मिला

लापता युवती की खोज जारी..

जांजगीर/ बिलासपुर ,06 अक्टूबर 2025(ए)। सोमवार सुबह हसदेव नदी में डूबे पांच दोस्तों में से एक और युवक का शव बरामद हुआ है। यह दुखद घटना शनिवार शाम को हुई थी जब पांच दोस्त देवरी गांव स्थित नदी किनारे पिकनिक मनाने गए थे और नहाने के दौरान अचानक पानी का बहाव तेज होने से वे गहराई में समा गए थे। दूसरा शव आशीष भोई का है, जो महुदा गांव के पास नदी के टापू पर मिला है। इससे पहले, रविवार को अंकुर कुशवाहा की लाश कुदरी बैराज के पास मिली थी, जो बहाव से 15 से 17 किलोमीटर दूर था। अभी भी एक लापता युवती की तलाश जारी है।

घटना के बाद से ही नदी किनारे ग्रामीणों की भारी भीड़ जुटी हुई है। स्थानीय लोगों ने तुरंत कोशिश कर मोनिका सिन्हा और लक्ष्मी शंकर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया था, लेकिन बाकी तीन गहराई में बह गए। फिलहाल, दो युवकों (अंकुर कुशवाहा और आशीष भोई) की लाशें मिल चुकी हैं, जबकि लापता युवती की खोजबीन जारी है। इस गंभीर घटना को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे हसदेव नदी के किनारे या तेज बहाव वाले इलाकों में बिल्कुल भी न जाएं, ताकि ऐसी और कोई अप्रिय घटना न हो।

अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोर अभियान

गरियाबंद,06 अक्टूबर 2025(ए)। गरियाबंद में आज सुबह जिला प्रशासन ने अवैध निर्माण के खिलाफ चलाया अभियान। इस दौरान नगर पालिका से बिना भवन अनुज्ञा लिए बने व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स, कब्रिस्तान से सटी जमीन पर बनाई गई 22 दुकानों पर बुलडोज़र चलाकर तोड़ दिया गया। इसके पहले नगर पालिका के प्रतिवेदन के बाद सुनवाई के दौरान गरियाबंद एसडीएम ने अवैध निर्माण घोषित कर दिया था। इस कार्रवाई के दौरान राजस्व और पालिका की भारी भरकम टीम मौजूद थी। एडीएम पंकज डाहिरे की निगरानी में दो एसडीएम, दो तहसीलदार, दो नायब तहसीलदार और अन्य राजस्व एवं पालिका अधिकारी मौजूद थे। सुरक्षा की दृष्टि से दो सौ से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किये गए थे। एसडीएम के आदेश के खिलाफ राजस्व मंडल में मामला दर्ज कराया गया है। इस कार्रवाई के पहले अधिकारियों ने दूसरे पक्ष से चर्चा भी की थी।

सभी नगरीय निकायों को खुदाई कार्यों की जानकारी शीघ्र ऐप पर अपलोड करना अनिवार्य

» राज्य सरकार ने सभी नगरीय निकायों को दिए निर्देश..

रायपुर,06 अक्टूबर 2025(ए)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने बड़ा निर्णय लिया है,अब राज्य के सभी नगरीय निकायों को खुदाई कार्यों की जानकारी सी-बड मोबाइल एप पर अनिवार्यतः अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को इस संबंध में परिपत्र जारी किया है। विभाग ने नगरीय निकायों में पदस्थ सभी अभियंताओं को निकायों में चल रहे सभी निर्माण कार्यों की खुदाई की जानकारी मोबाइल एप पर शीघ्र अपलोड करना सुनिश्चित करने को कहा है।

बेमेतरा के ओड़िया गांव में पाइप फैक्ट्री में लगी भीषण आग

1.5 करोड़ का नुकसान

बेमेतरा (छत्तीसगढ़),06 अक्टूबर 2025(ए)। बेमेतरा जिले के ओड़िया गांव स्थित एक पाइप फैक्ट्री में सुबह अचानक भीषण आग लग गई। इस घटना में फैक्ट्री का काफी सामान और मशीनें जलकर खाक हो गईं। तेज हवा के कारण आग जल्दी ही फैक्ट्री के अन्य हिस्सों में भी फैल गई, जिससे फैक्ट्री मालिक का 1 से 1.5 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। यह फैक्ट्री पिछले 10 सालों से कृषि संबंधित पाइप और अन्य सामान बना रही थी। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

फर्जी एनजीओ का बड़ा खुलासा

समाज कल्याण विभाग की फाइलें सीबीआई ने जब्त कीं

15 साल में सैकड़ों करोड़ का घोटाला...

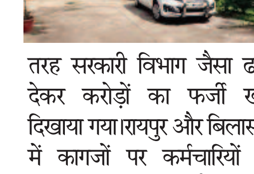

रायपुर,06अक्टूबर 2025(ए)। समाज कल्याण विभाग में चल रहे फर्जी एनजीओ घोटाले का बड़ा खुलासा हुआ है। सीबीआई ने विभाग से स्टेट रिसोर्स सेंटर और फिजिकल रेफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर नामक एनजीओ की फाइलें कब्जे में ले ली हैं। दिव्यांगों की मदद के नाम पर बने इस एनजीओ को एक सिंडिकेट की तरह चलाया गया, जिसमें 6 प्रशासनिक अधिकारियों की भी भूमिका रही। आरोप है कि एनजीओ को पूरी तरह सरकारी विभाग जैसा ढांचा देकर करोड़ों का फर्जी खर्च दिखाया गया।रायपुर और बिलासपुर में कागजों पर कर्मचारियों की नियुक्तियां की गईं। इन्हें सरकारी पैटर्न पर 27 से 30 हजार रुपये वेतन तय किया गया और हर महीने डबल-ट्रिपल सैलरी के बिल निकाले गए। इस पूरे घोटाले का भंडाफोड़ रायपुर के कुंदन ठाकुर नाम के व्यक्ति ने किया, जो खुद इन्हीं फर्जी कर्मचारियों की लिस्ट में शामिल थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)